RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्षः 01, अंकः 15, पृष्ठः 08

infodivyadelhi@gmail.com

सोमवार, 22 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूर्योदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

नौसेना की पनडुब्बी का दिखा दम, आईएनएस निस्तार ने बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में लिया भाग

सिंगापुर
सिंगापुर में चल रहे बहुराष्ट्रीय पनडुब्बी बचाव अभ्यास में भारतीय नौसेना ने अपना दम दिखाया। जहां भारतीय नौसेना अपने 17 साथी देशों के साथ मिलकर बहुराष्ट्रीय पनडुब्बी बचाव अभ्यास एक्सरसाइज पैसिफिक रीच 2025 (एक्सपीआर25) की तैयारी कर रही है। इस अभ्यास का समुद्री चरण सिंगापुर में हो रहा है, जिसमें भारत की स्वदेशी बनी डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) आईएनएस निस्तार भी हिस्सा ले रही है। आईएनएस निस्तार को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में बनाया गया है और इसे 18 जुलाई को नौसेना में शामिल किया गया। यह जहाज 120 मीटर लंबा है और डीप सबमर्शन रिज्क्यू व्हीकल (डीएसआरवी) के साथ मिलकर 134 मीटर तक बढ़ जाता है। इसका मुख्य काम गहरे समुद्र में गोताखोरी करना और पनडुब्बी बचाव मिशन में डीएसआरवी के लिए मादरशिप (मोतशिप) का कार्य करना है।

कमांडिंग ऑफिसर ने दी जानकारी
मामले में कमांडिंग ऑफिसर अमितसुभ्रो बनर्जी ने बताया कि आईएनएस निस्तार का दो मुख्य काम हैं, पहला गहरे समुद्र में गोताखोरी करना और पनडुब्बी बचाव के दौरान डीएसआरवी के लिए मादरशिप की भूमिका निभाना।

बीएसएफ में सैनिकों को दिया जाएगा ड्रोन युद्ध से निपटने का प्रशिक्षण

टेकनपुर
युद्ध क्षेत्र की नई चुनौतियों से निपटने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जवानों को कड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस बीच बीएसएफ ने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में ड्रोन युद्ध को अनिवार्य विषय के रूप में जोड़ा है। इसके तहत जवानों और सैन्य अधिकारियों को ड्रोन युद्ध से निपटने के तरीके सिखाए जाएंगे। साथ ही स्वदेशी उपकरण विकसित करने के लिए बीएसएफ ने नवाचार केंद्र की भी स्थापना की है।

आज से देश में जीएसटी बचत उत्सवः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पीएम मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन, कहा- जीएसटी सुधारों को लेकर देश में उत्साह

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी सुधारों को लेकर रविवार को देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी सुधार को लेकर उत्साह में है। वे इसके फायदों को ग्राहकों को पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भवः के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही पीएम ने देशवासियों को नेक्सट जेनरेशन जीएसटी सुधारों के लागू होने की जानकारी दी। साथ ही कहा कि यह कदम नागरिकों के जीवन में सरलता और बचत लाएगा। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि पिछले 11 वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को मात दी है और नए मिडिल क्लास समूह ने देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाई है। सरकार ने इस साल 12 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स को शून्य कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग के लिए काफी राहत मिली है। अब जीएसटी में कमी के कारण घर, वाहन और यात्रा पर खर्च कम होगा और नागरिकों के सपनों को पूरा करना आसान होगा।

व्यापार और निवेश को बढ़ावा
पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी सुधार से कारोबार और निवेश दोनों आसान होंगे। यह बदलाव भारत की ग्रोथ स्टोरी को आगे बढ़ाएगा। इस दौरान उन्होंने याद दिलाया कि 2017 में जीएसटी लागू होने के समय देश में दर्जनों अलग-अलग टैक्स थे, जैसे कि एंट्री टैक्स, सेल्स टैक्स, एक्साइज, वैट, सर्विस टैक्स आदि। नए सुधार इन जालों को सरल बनाएंगे और व्यापारियों को राहत देंगे।

देश के हर वर्ग को फायदा
प्रधानमंत्री ने कहा कि नए जीएसटी सुधारों से गरीब, मध्यम वर्ग, न्यू मिडिल क्लास, युवा, किसान, महिलाएं, दुकानदार और व्यापारी सभी को लाभ मिलेगा।

गरीब-मध्यम वर्ग को दोगुना फायदा

प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ लोगों ने गरीबी पर विजय पाई है और एक बड़ा नियो मिडिल क्लास तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि 12 लाख तक की इनकम को टैक्स मुक्त कर मध्यमवर्ग को बड़ी राहत दी गई है। अब जीएसटी सुधार से घर, स्कूटर, कार और होटल जैसे खर्चे भी कम होंगे। उन्होंने कहा कि गरीब और नियो मिडिल क्लास को दोहरा मिलेगा।

टैक्स और टोल के जंजाल से मुक्ति
मोदी ने 2014 से पहले की स्थिति याद दिलाते हुए कहा कि अलग-अलग राज्यों में टैक्स और टोल की जटिलताओं से कंपनियां परेशान थीं। बंगलूरू से हैदराबाद तक सामान भेजना इतना मुश्किल था कि कंपनियां यूरोप भेजना आसान समझती थीं। उन्होंने कहा कि नए सुधारों से कारोबार सुगम होगा और ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

जीएसटीः देश की ग्रोथ को रफ्तार देगी

पीएम मोदी ने कहा कि नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार देश की ग्रोथ स्टोरी को नई दिशा देंगे। निवेश को आकर्षित करेंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में बराबरी से शामिल करेंगे। उन्होंने कहा कि 2017 में जीएसटी लागू करना ऐतिहासिक कदम था और अब इसका नया अध्याय शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर की सुबह से नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार लागू हो जाएंगे। इसके साथ ही देश में जीएसटी बचत उत्सव की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि गरीब, मध्यमवर्ग, किसान, महिलाएं, दुकानदार और उद्यमी सभी को इस सुधार का लाभ मिलेगा।

जोजरी नदी में प्रदूषण के मामले पर 23 सितंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट 23 सितंबर को राजस्थान की जोजरी नदी में प्रदूषण से जुड़े मामले की सुनवाई करेगा। शीर्ष कोर्ट ने 16 सितंबर को इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था और कहा था कि नदी में औद्योगिक कचरे के बहाव से सैकड़ों गांवों की आबादी प्रभावित हो रही है। शीर्ष कोर्ट की वेबसाइट पर 23 सितंबर की सूची में इस मामले का शीर्षक '20 लाख जिंदगियों को खतरा, राजस्थान की जोजरी नदी में प्रदूषण' है। इसकी सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच करेगी। बेंच ने कहा था कि जोजरी नदी में कपड़ा और टाइल फैक्ट्रियों से भारी मात्रा में औद्योगिक करचा बहाया जा रहा है। इससे इंसानों और जानवरों दोनों के लिए पीने का पानी जहरीला हो गया है, जिससे न केवल स्वास्थ्य बल्कि पूरा पारिस्थितिकीतंत्र प्रभावित हो रहा है। कोर्ट ने कहा था कि यह मामला चीफ जस्टिस (सीजेआई) के पास भेजा जाए।

ईरान और नेपाल जाने वाले भारतीय रहें सावधान

नई दिल्ली
भारत सरकार ने ईरान और नेपाल जाने वाले भारतीयों को सतर्क रहने को कहा है। वैसे दोनों देशों के लिए अलग-अलग वजहें बताई गई हैं। नेपाल जाने वाले भारतीयों को आगाह करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा है कि नेपाल की स्थिति पिछले सप्ताह के मुकाबले काफी सुधर गई है। सड़क मार्ग और उड़ान सेवाएं भी सामान्य होने लगी हैं। इसके बावजूद वहां जाने वाले भारतीयों को सतर्कता बरतने की सलाह है। उन्हें काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास की तरफ से जारी होने वाली सलाहों पर ध्यान देना चाहिए। अगर कोई जरूरत हो तो भारतीय दूतावास के फोन नंबर पर संपर्क करना चाहिए।

भीड़ पर कंट्रोल- सोशल मीडिया से सड़क तक तैयारी

गृह मंत्रालय ने बनाई गाइडलाइन; भीड़ को रोकने, बांटने और घेरने के तरीके बताए

नई दिल्ली
सरकार ने भीड़ पर नियंत्रण के नए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। इनका फोकस विरोध प्रदर्शनों और बड़े आयोजनों पर है। इसमें कुम्भ जैसे मेले, खेल स्टेडियम, धार्मिक प्रोग्राम और बाबाओं के प्रवचन आदि शामिल हैं। सांप्रदायिक दंगे, छात्र आंदोलनों और सोशल मीडिया से संचालित जनाक्रोश भी इसके दायरे में हैं। गृह मंत्रालय ने यह गाइडलाइन नई परिस्थितियों को देखकर बनाई है। सोशल मीडिया के दौर में अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। भीड़ की नई मानसिकता पर रिसर्च किया गया है। इसी आधार पर क्राउड कंट्रोल एंड मास गैदरिंग मैनेजमेंट दिशानिर्देश बने हैं। ये मानक इसलिए भी अहम हैं, क्योंकि सोशल मीडिया के बहकावे में अचानक प्रदर्शन भड़कते हैं। भारत के तीन पड़ोसी देशों (नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका) में ऐसी घटनाएं हुई हैं। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (रङ्ढ) ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डवलपमेंट ने तैयार किया है। दस्तावेज में अराजक सभाओं के प्रबंधन के तरीके दिए गए हैं। सोशल मीडिया के प्रबंधन और उसके जवाबी उपाय भी जोड़े गए हैं। क्राउड बिहेवियर मॉड्यूल में मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक पहलू शामिल हैं। गैरकानूनी जमावड़ों और आक्रामक प्रदर्शनों के लिए तैनाती के मॉडल दिए गए हैं। किसानों व मजदूरों की रैलियों के लिए भी अलग व्यवस्थाएं सुझाई गई हैं।

सरकार ने भीड़ पर नियंत्रण के नए दिशानिर्देश तैयार किए हैं

छात्रों की भीड़ पर काबू सबसे कठिन
गाइडलाइंस के अनुसार, छात्रों की भीड़ छोटे उकसावे पर तोड़फोड़ या लूटपाट कर सकती है। कठोर पुलिस कार्रवाई पर उन्हें जल्दी जनसमर्थन मिल जाता है। ऐसे हालात में संयम और धैर्य को सफलता की सबसे बड़ी कुंजी बताया गया है।

वो 13 बड़े कारण, जिनसे हालात बिगड़ते हैं
गृह मंत्रालय की नई गाइडलाइंस में स्पष्ट कहा गया है कि आम तौर पर 22 से 40% मुस्लिम आबादी वाले इलाकों में सांप्रदायिक दंगे और हिंसा होने का अंदेशा अधिक होता है।

सआईआर से जुड़े सभी काम 30 सितंबर तक निपटाएंः चुनाव आयोग

नई दिल्ली
चुनाव आयोग ने देशभर के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि आयोग अक्तूबर-नवंबर से मतदाता सूची की सफाई और अपडेट करने की इस बड़ी कवायद की शुरूआत कर सकता है। सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरूआत में हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने 10 से 15 दिन में एसआईआर लागू करने के लिए तैयार रहने को कहा था। हालांकि अब स्पष्ट डेडलाइन तय करते हुए 30 सितंबर को अंतिम तारीख घोषित किया गया है। सभी राज्यों को पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। कई राज्यों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद की मतदाता सूची पहले ही वेबसाइट पर डाल दी है।

महाराष्ट्र के गरबा में लोगों पर गौमूत्र छिड़कने का फरमान

नागपुर
महाराष्ट्र में विश्व हिंदू परिषद ने नवरात्रि के दौरान गरबा आयोजनों को लेकर शनिवार को एक एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया है कि राज्य में गरबा कार्यक्रमों में सिर्फ हिंदुओं को जाने की इजाजत होगी। आयोजकों से एंट्री गेट पर आधार कार्ड की जांच करने की सिफारिश की गई है।

विहिप ने कहा- गरबा आयोजनों में सिर्फ हिंदुओं को ही एंट्री मिलनी चाहिए। गैर-हिंदू इनमें भाग न लें, इसके लिए लोगों को अंदर जाने से पहले तिलक लगाना होगा, हाथों पर रक्षा सूत्र बांधना होगा और किसी हिंदू देवता की पूजा करनी होगी।

विहिप ने गरबा आयोजकों से कहा- नवरात्रि सिर्फ मौज-मस्ती का त्योहार नहीं है। यह एक धार्मिक आयोजन है जहां भक्त देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। इसलिए, गैर-हिंदू गरबा-डांडिया कार्यक्रमों में शामिल नहीं होने चाहिए। बता दें कि इस साल नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू होकर 1 अक्टूबर तक चलेगा। विहिप बोला- गरबा देवी को प्रसन्न करने की एक पूजा पद्धति विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने समाचार एजेंसी ढळक से कहा- गरबा सिर्फ एक नृत्य नहीं, बल्कि देवी को प्रसन्न करने की एक पूजा पद्धति है।

सरकार की पहल जॉब डैशबोर्ड, ये बताएगा कहां कितनी नौकरी

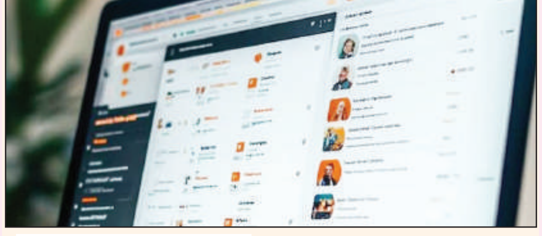

एक क्लिक बताएगा किस क्षेत्र में जॉब कैसा, कौन से कोर्स की डिमांड

नई दिल्ली
केंद्र सरकार एक ऐसा स्मार्ट डैशबोर्ड बना रही है, जिस पर यह दिखेगा कि भविष्य में किस सेक्टर में कितनी नौकरी होगी और कैसी स्किल्स की जरूरत होगी। यह डैशबोर्ड ब्रिटेन के जॉब एंड स्किल डैशबोर्ड और अमेरिका के वॉशिंगटन स्टेट के ह्यलेबर मार्केट एंड क्रिडेंशियल डेटा डैशबोर्ड की तर्ज पर बनेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में टेलीकॉम और आईटी विभाग से इस पर शुरूआती परामर्श किया। इसमें विभागों ने बताया- आगे 5जी, 6जी, क्वांटम कम्युनिकेशन, सैटेलाइट, एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मशीन लर्निंग और सेमीकंडक्टर जैसे सेक्टर में किस लेवल के कितने प्रोफेशनल चाहिए होंगे। नए डैशबोर्ड से छात्रों व अभिभावकों को सही कोर्स चुनने में मदद मिलेगी। पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे के अवसरों की जानकारी मिलेगी। संस्थानों को पता चलेगा कि सिलेबस में क्या बदलाव जरूरी है, कौन से नए कोर्स शुरू करने हैं और कौन से कोर्स बंद करने हैं। डैशबोर्ड जॉब-रेडी टैलेंट तैयार करने में गेमचेंजर साबित होगा।

अभी देश में कई पोर्टल-डैशबोर्ड
लेबर ब्यूरो डैशबोर्डः मजदूरी और रोजगार से जुड़े आंकड़े, लेकिन ज्यादातर पिछला डेटा। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वेः राज्यों व जिलों में रोजगार-बेरोजगारी का डेटा देता है। सालाना और तिमाही अपडेट पर आधारित डेटा।

केंद्र ने उपभोक्ता हेल्पलाइन पर जीएसटी शिकायत निवारण की सुविधा शुरू की

नई दिल्ली
केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर एक समर्पित जीएसटी शिकायत श्रेणी शुरू की है, ताकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 सुधारों से संबंधित प्रश्नों और शिकायतों का समाधान किया जा सके। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने शनिवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन टोल-फ्री नंबर 1915 पर या ऑनलाइन 16 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में उपलब्ध है। यह देशभर के उपभोक्ताओं के लिए मुकदमे-पूर्व चरण में शिकायत दर्ज कराने के लिए एक एकल पूर्व-मुकदमा केंद्र के रूप में कार्य करती है। उपभोक्ता एकीकृत शिकायत निवारण तंत्र पोर्टल के जरिए भी जीएसटी से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, जो ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं, ई-कॉमर्स और फास्ट-मूविंग उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों को कवर करता है। जीएसटी सुधार 22 सितंबर से प्रभावी होंगे।

अमेरिकी कंपनियों ने 40000 से ज्यादा आईटी पेशेवरों को निकाला

वॉशिंगटन
अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। व्हाइट हाउस ने शनिवार को कहा कि कई अमेरिकी कंपनियों ने इस साल 40,000 से ज्यादा अमेरिकी टेक वर्कर्स की छंटनी की और उनकी जगह विदेशी कर्मचारियों, खासकर एच-1बी वीजा धारकों को नौकरी दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस कदम से अमेरिकी युवाओं का साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स (एसटीईएम) करियर की तरफ रुझान कम हो रहा है और यह अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।

कंपनियों पर गंभीर आरोप
व्हाइट हाउस की तरफ से जारी फैक्ट शीट के अनुसार, एक कंपनी को 5,189 एच-1बी वीजा की मंजूरी मिली, लेकिन उसने इसी साल 16,000 अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला। दूसरी कंपनी को 1,698 एच-1बी वीजा की मंजूरी मिली, जबकि उसने ओरेगन में 2,400 वर्कर्स को जुलाई में हटा दिया। तीसरी कंपनी ने 2022 से अब तक 27,000 अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी की, जबकि उसे इसी दौरान 25,075 एच-1बी वीजा मिले। एक और कंपनी ने फरवरी 2025 में 1,000 अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी की, जबकि उसे 1,137 एच-1बी वीजा की मंजूरी दी गई। व्हाइट हाउस ने यह भी खुलासा किया कि कई बार अमेरिकी कर्मचारियों को गोपनीय समझौते (एनडीए) के तहत अपने विदेशी रिप्लेसमेंट को ट्रेनिंग देने के लिए मजबूर किया गया।

सीएम योगी ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति-5.0 का किया शुभारंभ

पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, आज खुद बना रही हैं अपना रास्ता - सीएम योगी

लखनऊ
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन सभागार में नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित महत्वाकांक्षी अभियान ह्यमिशन शक्ति-5.0ह्ल का भव्य शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, लेकिन आज वे खुद अपने रास्ते बना रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी सम्मान उनकी प्राथमिकता है, यही वजह है कि 2017 के बाद से प्रदेश में महिलाओं की स्थिति में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीयत साफ होती है तो योजनाएं खुद अपना रास्ता बना लेती हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी 1,647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का बटन दबाकर उद्घाटन किया। साथ ही, मिशन शक्ति केंद्रों की रढ पुस्तिकाओं, बुकलेट और ह्वसशक्त नारी, समृद्ध प्रदेशह्ल फोल्डर का विमोचन भी किया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपदों के अधिकारीगण और मंत्रीगण इस ऐतिहासिक पल से जुड़े रहे।

मिशन शक्ति का पांचवां चरण एक नई शुरूआत
सीएम योगी ने कार्यक्रम को संबोधन करते हुए कहा कि मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ करते हुए उन्हें गर्व और प्रसन्नता हो रही है। पांच साल पहले, 2020 में इस अभियान की शुरूआत के समय लोग संशय में थे कि क्या होगा, कैसे होगा, इसकी थीम क्या होगी? लेकिन मिशन शक्ति को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जोड़कर इसे नारी गरिमा के अनुरूप ढाला गया। आज इसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का मार्ग दिखाया है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाया गया।

यूपी पुलिस में महिलाओं की भागीदारी में आया क्रांतिकारी बदलाव- सीएम योगी
मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से 2017 तक पुलिस में महिला कार्मिकों की संख्या महज 10,000 थी, लेकिन 2017 से अब तक यह संख्या 44,000 से अधिक हो गई है। हर भर्ती में 20% महिलाओं को अनिवार्य रूप से शामिल किया जा रहा है और उनकी समय पर ट्रेनिंग सुनिश्चित की जा रही है। हाल ही में संपन्न 60,200 पुलिस कार्मिकों की भर्ती में 12 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हुई हैं, जो वर्तमान में ट्रेनिंग ले रही हैं।

सीएम नीतीश कुमार मंत्रिमंडल से अशोक चौधरी का इस्तीफा

पटनाः कांग्रेस से जनता दल यूनाईटेड में आए डॉ. अशोक चौधरी किसी भी समय मंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी जीत के आसार नजर आने लगे हैं। पीके ने अशोक चौधरी पर गलत तरीके से 200 करोड़ की संपत्ति खरीदने का आरोप लगाया था। मंत्री की ओर से जवाब का इंतजार करते हुए सत्तारूढ़ जनता दल यूनाईटेड के नेताओं ने शनिवार को चौधरी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का हवाला देते हुए उनसे निर्णय लेने की मांग रख दी है।

बदरीनाथ धाम : ब्रह्मकपाल में सर्वपितृ अमावस्या पर तर्पण को उमड़ी भीड़

देहरादून
श्री बदरीनाथ धाम स्थित ब्रह्म कपाल में श्राद्ध पक्ष के आखिरी दिन बड़ी संख्या में देश विदेश से श्रद्धालु धाम पहुंचे और पूर्वजों का श्राद्ध तर्पण किया। सभी पितृजनों को स्मरण कर श्रद्धांजलि दी गयी। इसी के साथ 7 सितंबर से शुरू हुआ पितृ पक्ष का आज समापन हो गया है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि बदरीनाथ धाम में पितृपक्ष के दौरान 48 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किये, वही कपाट खुलने से अभी धाम में 13,62,278 श्रद्धालु दर्शन कर चुके है। सोमवार 22 सितंबर से बीकेटीसी भी धाम में शारदीय नवरात्र पर्व पर विशेष पूजन किया जायेगा। मंदिर परिसर में घट स्थापना के साथ नौ दिन महानवमी 2 अक्टूबर तक मां दुर्गा की पूजा-अर्चना संपन्न होगी। ब्रह्म कपाल में आज सर्व पितृ आमावस्या पर चहल पहल रही लोगों ने पवित्र अलकनंदा स्थित गांधीघाट पर स्नान किया तथा पित्रों के श्राद्ध तर्पण के साथ सर्व पितृ अमावस्या पर पित्रों का स्मरण किया ब्रह्म कपाल के वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित वीरेंद्र हटवाल ने बताया कि सर्वपितृ अमावस्या का विशेष महत्व है इस दिन ब्रह्म कपाल ज्ञात अज्ञात सभी पितृ जनों का श्राद्ध किया गया जिनकी श्राद्ध तिथि पता नही है अथवा यह भी ज्ञात न हो कि अमुक की मृत्यु किस तिथि पर हुई इसे महालय श्राद्ध भी कहा जाता है सर्वपितृ अमावस्या के दिन से सभी पितृ इस भूलोक को छोड़कर पुनः सद्गति प्राप्त कर परलोक को चले जाते है।

जीएसटी सुधार पर कांग्रेस ने पीएम मोदी को घेरा

सरल जीएसटी' की जगह मोदी सरकार ने नौ स्लैब वाला 'गब्बर सिंह टैक्स' लागू किया: खड़गे

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने सोमवार से लागू होने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सुधारों को लेकर कई सारी बातें कही। अब ऐसे में कांग्रेस ने पीएम मोदी पर जीएसटी सुधारों का पूरा श्रेय खुद लेने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि ये सुधार अधूरे और नाकाफी हैं। पार्टी ने सरकार से जरूरी वस्तुओं पर लगे जीएसटी के लिए माफी मांगने की भी मांग की। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी के संबोधन पर तंज कसते हुए कहा कि '900 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 'सरल जीएसटी' की जगह मोदी सरकार ने नौ स्लैब वाला ह्यगब्बर सिंह टैक्सह्ण लागू किया और पिछले आठ साल में 55 लाख करोड़ वसूले।

2.5 लाख करोड़ के बचत उत्सव पर निशाना
मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे कहा कि पीएम मोदी जीएसटी को लेकर अब 2.5 लाख करोड़ के 'बचत उत्सव' की बात कर रहे हैं, जो गहरे घाव पर बैंड-एड लगाने जैसा है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार ने दाल, चावल, किताबें, दवाइयां, पेंसिल, ट्रैक्टर जैसे आवश्यक चीजों पर भी टैक्स लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता से माफी मांगनी चाहिए।

लघु व मध्यम उद्योग की समस्याओं पर कांग्रेस का जोर

कांग्रेस का कहना है कि लघु व मध्यम उद्योग की समस्याएं अब भी बनी हुई हैं। राज्यों को मिलने वाले जीएसटी मुआवजे को पांच साल बढ़ाने की मांग अब भी अनसुनी है, जो संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ है।

रमेश ने कहा कि पर्यटन, कपड़ा, कृषि, निर्यात और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों की समस्याएं भी बाकी हैं। इसके अलावा, बिजली, पेट्रोलियम, शराब और रियल एस्टेट को भी राज्य स्तर के जीएसटी में लाने का सुझाव दिया गया है। बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को कहा कि नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

जीएसटी घटने के बाद भी सामान सस्ता न होने पर करें शिकायत

नई दिल्ली
बीते दिनों केंद्र सरकार ने जीएसटी टैक्स स्लैब में बड़े बदलाव करते हुए कई वस्तुओं को टैक्स फ्री कर दिया था। इससे रोजमर्रा की कई चीजें सस्ती हो गईं हैं। हालांकि, कई दुकानदार अभी भी पुराने दामों पर ही सामान बेचकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। मगर, अब सरकार इसकी भी सख्त निगरानी कर करने वाली है। जो दुकानदार अभी भी जीएसटी के दाम पर सामान बेच रहे हैं, ग्राहक उनके खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवा सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकार

ने जीएसटी अधिकारियों को 54 सामानों की लिस्ट सौंपी है। अधिकारियों को इन चीजों की कीमतों पर नजर रखने का आदेश दिया गया है।

उपभोक्ता भी दर्ज करवा सकते हैं शिकायत
उपभोक्ता अगर चाहें तो वो खुद दुकानदार के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। खाद्य एंव सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने 22 सितंबर से नई सुविधा शुरू की है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन और पोर्टल पर जीएसटी से जुड़ी शिकायतों के लिए अलग से कैटेगरी बनाई गई है। कंज्यूमर हेल्पलाइन नंबर 8800001915 पर मैसेज या व्हाट्सएप से शिकायत दर्ज करें। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर 1915 पर भी शिकायत कर सकते हैं।

1800114000 पर भी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन एप या उमंग एप पर भी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

जीएसटी दरों में कटौती पर ममता बनर्जी का केंद्र पर निशाना
पीएम मोदी के राष्ट्र के संबोधन में जीएसटी सुधार को बचत उत्सव बताने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पर अनावश्यक रूप से जीएसटी दरों में कटौती का श्रेय लेने का आरोप लगाया। सीएम ममता ने कहा कि ये कदम राज्य सरकारों की पहल पर उठाया गया, लेकिन अब केंद्र इसे अपनी उपलब्धि के रूप में पेश कर रहा है।

जयराम रमेश ने भी पीएम मोदी पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जीएसटी बचत उत्सव की घोषणा के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि हम जीएसटी दरों में कटौती से खुश हैं, भले ही इससे हमें 20,000 करोड़ का नुकसान हो रहा है। लेकिन ये कहां तक सही है कि पीएम मोदी इसका पूरा श्रेय ले रहे हैं ये सुझाव तो हमने ही दिया था। उन्होंने कहा कि जीएसटी काउंसिल की बैठक में राज्य की ओर से दरों में कटौती का सुझाव दिया गया था, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद थीं।

जयराम रमेश ने भी पीएम मोदी पर साधा निशाना
इस दौरान कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने राष्ट्र को संबोधित कर जीएसटी काउंसिल द्वारा किए गए संशोधनों का श्रेय खुद ले लिया, जबकि यह एक संवैधानिक संस्था का निर्णय था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 2017 से ही जीएसटी 2.0 की मांग कर रही है और इसे 2024 के चुनावी वादे (न्याय पत्र) में भी शामिल किया था। रमेश ने बताया कि मौजू जीएसटी प्रणाली में कई समस्याएं हैं, जैसे कि टैक्स की जटिल दरें, आम जनता की चीजों पर ज्यादा टैक्स, कारोबारियों पर भारी अनुपालन बोझ और उल्टा शुल्क ढांचा शामिल है। इसके साथ ही जयराम रमेश ने पूछा कि आठ साल की देरी से लाए गए ये सुधार क्या सच में निजी निवेश और जीडीपी वृद्धि को बढ़ाएंगे उन्होंने ये भी जोड़ा कि चीन के साथ व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है, और भारतीय व्यापारी डर और मनमानी के चलते विदेश जा रहे हैं।

हिमाचल में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण पर जोर, 550 करोड़ खर्च रही सरकार

शिमला
मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश की लोक संस्कृति, परम्पराएं, भव्य मंदिर और ऐतिहासिक स्थल न केवल यहां के लोगों की पहचान हैं, बल्कि ये देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने रविवार को यह बताया कि राज्य सरकार ने सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए अब तक 550 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की है।

सरकार ने कारोबारी सुगमता के लिए मंत्रालयों को 12,167 एचएसएन कोड आवंटित किये

नई दिल्ली
सरकार ने नियामकीय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए 31 मंत्रालयों और विभागों को 12,167 नामकरण की सुसंगत प्रणाली (एचएसएन) कोड आवंटित किए गए हैं। इस कोड के तहत प्रत्येक उत्पाद को वर्गीकृत किया जाता है। इस कोड से दुनियाभर में वस्तुओं के व्यवस्थित वर्गीकरण में मदद मिलती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल ने 20 सितंबर को राजधानी नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा तैयार

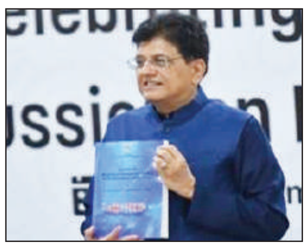

नामकरण की सुसंगत प्रणाली (एचएसएन) कोड के मानचित्रण पर मार्गदर्शन पुस्तक का विमोचन किया। इसका मकसद विनिर्माण विकास, निवेश प्रोत्साहन और कारोबारी सुगमता के लिए डेटा आधारित नजरिये को बढ़ावा देना है। इसके महत्व पर जोर देते हुए पीयूष गोयल ने उल्लेख किया कि यह मार्गदर्शन पुस्तक घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत करने और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने आगे कहा कि यह मार्गदर्शन पुस्तक 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने में एक अभिन्न भूमिका निभाएगी, जिसमें शासन उद्योग की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी होगा। मंत्रालय के मुताबिक यह मार्गदर्शन पुस्तक भारत सरकार के 31 मंत्रालयों और विभागों को 12,167 एचएसएन कोड आवंटित करती है। इसका उद्देश्य विनिर्माण विकास, निवेश प्रोत्साहन और व्यापार सुगमता के लिए डेटा-संचालित दृष्टिकोण को अपनाने को बढ़ावा देना है।

नए जीएसटी सुधारों से बढ़ेगी आमदनी-खपत: वित्त मंत्री

चेन्नई
देशभर में नए जीएसटी दरों को लेकर चर्चा तेज है। 22 सितंबर से लागू होने वाले इन दरों को लेकर लोगों ने अपनी मिली जुली प्रतिक्रियाएं भी दी है। ऐसे में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार फिर इन नए दरों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से लागू होने वाले नए जीएसटी सुधारों के कारण देश के लोगों के हाथ में लगभग दो लाख करोड़ रुपये बचेंगे, जिससे घरेलू खर्च और खपत बढ़ेगी। तमिलनाडु फूडग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएसन के 80वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि जीएसटी की दरों को चार स्लैब से घटाकर अब केवल दो स्लैब

किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि इससे खासकर गरीब, मध्यम वर्गीय परिवार और छोटे-मध्यम उद्योग को फायदा मिले।

सामान की कीमतें होंगी कम-सीतरमण
सीतारमण ने कहा कि इस सुधार के बाद सामान की कीमतें कम होंगी, जिससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई साबुन ज्यादा मात्रा में खरीदता है, तो निमार्ता उत्पादन बढ़ाएगा, जिससे रोजगार बढ़ेंगे और सरकार को अधिक टैक्स मिलेगा। यह एक सकारात्मक चक्र है जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा होगा। इस दौरान वित्त मंत्री ने ये भी बताया कि जीएसटी लागू होने से पहले टैक्स देने वाले उद्यमियों की संख्या 65 लाख थी, जो अब बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है।

ये भी पढ़ेंः- फ्ढक खुदरा उत्पादों पर प्रोसेसिंग शुल्क घटा सकते हैं बैंक, त्योहारों में बढ़ेगा खर्च; आरबीआइ ने दिया निर्देश

कांग्रेस की आलोचना पर भी दिया जवाब
इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहकर आलोचना करने की बात पर भी पलटवार किया।

उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, बल्कि इसने टैक्स आधार बढ़ाया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले आठ वर्षों में सरकार ने किसी उत्पाद पर ज्यादा टैक्स नहीं लगाया है और अब जो कटौती हो रही है वह सही और लोगों के हित में है।

ग्रेट निकोबार परियोजना: 'सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव'

नई दिल्ली
कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार बुनियादी ढांचा परियोजना' को लेकर रविवार को पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर पलटवार किया। रमेश ने कहा कि देश को एक संभावित पर्यावरणीय और मानवीय संकट के प्रति आगाह करना कोई नकारात्मक राजनीति नहीं है, बल्कि गहरी चिंता को जताने का एक स्पष्ट तरीका है। दरअसल, इस परियोजना का विरोध करने को लेकर यादव ने कांग्रेस की आलोचना की थी। रमेश ने कहा कि पर्यावरण मंत्री इस परियोजना को लेकर कई बार पूछे गए बुनियादी सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कांग्रेस पर ग्रेट निकोबार बुनियादी ढांचा परियोजना को लेकर नकारात्मक राजनीति करने का आरोप लगाया है। लेकिन देश का ध्यान एक बड़े पर्यावरणीय और मानवीय संकट की ओर खींचना नकारात्मक राजनीति नहीं है, बल्कि यह गंभीर चिंता का संकेत है। उन्होंने कहा, मंत्री उन बुनियादी सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं, जो कांग्रेस इस परियोजना को लेकर लगातार पूछ रही है। रमेश ने पूछा कि क्या यह परियोजना राष्ट्रीय वन नीति 1988 का उल्लंघन नहीं कर रही है, जिसमें लाखों पेड़ों को काटा जाएगा। इस नीति में साफ तौर पर कहा गया है कि उष्णकटिबंधीय वर्षा और आर्द्र वन, खासकर अंडमान और निकोबार जैसे क्षेत्रों में, पूरी तरह से सुरक्षित रखे जाने चाहिए।

'घने जंगलों के बीच नए पेड़ लगाना विकल्प नहीं हो सकता'
उन्होंने कहा कि पुराने और घने जंगलों की जगह नए पेड़ लगाना कभी भी उसका सही विकल्प नहीं हो सकता और इस परियोजना में जो वृक्षारोप की योजना बनाई गई है, वह पूरी तरह से दिखावा है। रमेश ने पूछा कि हरियाणा जैसे दूर और बिल्कुल अलग जलवायु के राज्य में पेड़ लगाकर ग्रेट निकोबार जैसे अनोखे वर्षावनों के नुकसान की भरपाई कैसे की जा सकती है उन्होंने यह भी बताया कि हरियाणा सरकार ने पहले ही उस जमीन का 25 हिस्सा पहले ही खनन के लिए दे दिया है।

भारत-ओमान के बीच जल्द होगा सीईपीए व्यापार समझौता, वार्ता पूरी: भारत

नई दिल्ली
भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) जल्द ही हस्ताक्षरित होने वाला है। दोनों देश अपने व्यापार को ऊर्जा क्षेत्र से आगे बढ़ाकर नए उत्पादों और सेवाओं तक ले जाने की तैयारी में हैं। यह जानकारी ओमान के भारत में राजदूत ईसा सालेह अब्दुल्ला सालेह अलशिबानी ने दी। ओमानी राजदूत ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में बताया कि समझौते से जुड़ी वातार्एं पूरी हो चुकी हैं और अब केवल कानूनी व प्रशासनिक

प्रक्रियाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि बहुत जल्द इस समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।' भारत और ओमान के बीच सीईपीए को लेकर बातचीत नवंबर 2023 में शुरू हुई थी। इस समझौते में दोनों देश अधिकतम उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी को कम या खत्म करते हैं, जिससे आयात-निर्यात को बढ़ावा मिलता है। इसके साथ ही, सेवा क्षेत्र में व्यापार को आसान बनाया जाता है और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए नियमों को सरल किया जाता है।

भारत-ओमान व्यापार का स्वरूप
ओमान के राजदूत के अनुसार, इस समझौते का मुख्य उद्देश्य व्यापार को ऊर्जा क्षेत्र से आगे बढ़ाना है। फिलहाल भारत, ओमान से जिन प्रमुख वस्तुओं का आयात करता है। इसमें पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया-कुल आयात का 70% से ज्याद, प्रोपलीन और एथिलीन पॉलिमर, पेट कोक, जिप्सम, रसायन, लोहा और इस्पात शामिल हैं।

हिमाचल में तीन महीनों में मॉनसून ने मचाई तबाही, 430 की गई जान, 46

शिमला
हिमाचल प्रदेश में इस बार का मॉनसून कहर बनकर टूटा। पिछले तीन महीनों के दौरान लगातार बारिश, बादल फटना, भूस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने प्रदेश को बुरी तरह प्रभावित किया। जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त रहा और भारी जान-माल की हानि हुई। इस मॉनसून सीजन में प्रदेश भर में वर्षा जनित हादसों में 430 लोगों की मौत हुई। अब जबकि प्रदेश में मानसून की विदाई शुरू हो चुकी है, सरकार और प्रशासन के सामने बहाली और पुनर्निर्माण की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से राज्य के कई क्षेत्रों से मानसून की वापसी हो जाएगी। रविवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। बीते 24 घंटों में केवल कांगड़ा जिले के देहरा क्षेत्र में हल्की 1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

अमेरिका-कनाडा में पढ़ाई के लिए छात्रों की घटी रुचि

अमेरिका में पढ़ाई के लिए पूछताछ में 46 फीसद और कनाडा में 75 प्रतिशत की गिरावट दर्ज

1969 में आस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा स्थापित आइडीपी एजुकेशन ने इस आशय की दी जानकारी

नई दिल्ली
अगर आप अमेरिका या कनाडा में पढ़ाई के लिए जाना चाहते हैं तो रवानगी से पूर्व आपके मन में विश्वविद्यालय या पाठ्यक्रम के चयन, आवेदन एवं वीजा प्रक्रिया और अन्य तैयारियों को लेकर बहुत से सवाल जरूर आते होंगे। ऐसे ही सवालों को लेकर अमेरिका में पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों की पूछताछ में पिछले एक साल में 46 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है, जबकि पिछले दो वर्षों में कनाडा के लिए पूछताछ में लगभग 75 प्रतिशत की कमी आई है। आईडीपी एजुकेशन के शीर्ष अधिकारियों ने इस आशय की जानकारी दी है।

छात्रों की योजनाएं क्यों हुए प्रभावित
आईडीपी एजुकेशन के दक्षिण एशिया, कनाडा और लैटिन अमेरिका के क्षेत्रीय निदेशक पीयूष कुमार के अनुसार, भू-राजनीतिक स्थिति ने छात्रों की अमेरिका और कनाडा जाने की योजनाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने बताया, "अगर हम भू-राजनीतिक स्थिति की बात करें तो मुझे लगता है कि यह मुख्य रूप से अमेरिका से संबंधित है। हमने देखा है कि पिछले छह से 12 महीनों में इस स्थिति ने उन छात्रों की योजनाओं को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है जो अमेरिका जाने की योजना बना रहे हैं। दरअसल, यह राष्ट्रपति ट्रंप के आने से पहले ही शुरू हो गया था। इसलिए हमने देखा कि जून के बाद से वीजा अनुमोदन दरों में गिरावट आई है।" पीयूष कुमार ने कहा, "आम तौर पर चुनावी साल में हम देखते हैं कि वीजा स्वीकृति दरें किसी भी कारण से कम हो जाती हैं। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद मुझे लगता है कि वे कुछ योजना बना रहे हैं, या कुछ बदलावों को लेकर काफी शोर है जो जाहिर तौर पर निराशा का कारण बन रहे हैं।"

जस्टिन ट्रूडो से हुआ था विवाद
उन्होंने कहा कि मई, 2024 की तुलना में इस साल मई में अमेरिका के लिए पूछताछ में 46.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले दो वर्षों में कनाडा के लिए पूछताछ में भी लगभग 70-75 प्रतिशत की गिरावट आई है। "कनाडा में पिछले दो वर्षों में बहुत सारे बदलाव हुए हैं।

शारदीय नवरात्रि को लेकर सज गए कांगड़ा के शक्तिपीठ, मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

धर्मशाला
शारदीय नवरात्र को लेकर कांगड़ा जिला के शक्तिपीठों श्री चामुंडा नंदिकेश्वर धाम, ज्वालामुखी व ब्रजेश्वरी धाम कांगड़ा में सुरक्षा व्यवस्था सहित श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा को लेकर मंदिरों में 25-25 पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त शक्तिपीठों में होम गार्ड और दो अतिरिक्त पुलिस रिजर्व भी तैनात रहकर हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। कल सोमवार से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्रों को लेकर मंदिरों में तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। शक्तिपीठों नको विशेष तौर पर सजाया गया है। गौर हो कि नवरात्र के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु रोजाना जिला कांगड़ा के मुख्य शक्तिपीठों श्री नंदिकेश्वर धाम चामुंडा, शक्तिपीठ श्री ज्वालामुखी मंदिर व ब्रजेश्वरी धाम कांगड़ा में शीश नवाते हैं। ऐसे में मंदिरों में होने वाली हर गतिविधि पर पैनी नजर व सुरक्षा को प्राथमिकता देने के साथ मंदिर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस जवान तैनात रहेंगे। इसके साथ ही मंदिरों में स्थापित सी.सी.टी.वी. कैमरों के माध्यम से भी मंदिर में हो रही हर गतिविधि पर भी नजर रखी जाएगी। इस बारे में ए.एस.पी. जिला कांगड़ा आदिति सिंह ने बताया कि शारदीय नवरात्रों में शांतिपूर्ण दर्शनों व श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देजनर

'हजारों बच्चों और सैकड़ों कलाकारों ने विकसित भारत थीम पर जो अद्भुत चित्र बनाए वे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक आत्मा और रचनात्मक ऊर्जा का सजीव प्रतिबिंब हैं'

हजारों बच्चों ने 'विकसित भारत' थीम पर अद्भुत चित्र बनाए : रेखा

आज चार पूर्ण रूप से जीर्णोद्धार किए गए स्मारक राष्ट्र को समर्पित किए गए

यह पहल हमारी साझा धरोहर को भविष्य की पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने का संकल्प

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सेवा पखवाड़े के अंतर्गत रविवार को महरौली के पुरातत्त्व पार्क में आयोजित सामूहिक चित्रकला प्रतियोगिता (कला शिविर) में सम्मिलित हुई। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि हजारों बच्चों और सैकड़ों कलाकारों ने विकसित भारत थीम पर जो अद्भुत चित्र बनाए वे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक आत्मा और रचनात्मक ऊर्जा का सजीव प्रतिबिंब हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ विरासत भी के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज चार पूर्ण रूप से जीर्णोद्धार किए गए स्मारक राष्ट्र को समर्पित किए गए हैं। यह पहल हमारी साझा धरोहर को भविष्य की पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने का संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों में सामूहिक भागीदारी न केवल उत्साह को बढ़ाती है, बल्कि यह भी सिद्ध करती है कि एकता ही वह शक्ति है जो राष्ट्र को प्रगति और गौरव की राह पर आगे ले जाती है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, विधायक गजेंद्र यादव उपस्थित रहे। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत' का जो विजन देखा है, वो कलाकारों की कुचियों से जन मन के कैनवास पर बिखर रहा है। उन्होंने बताया कि इस कला शिविर में ट्रिपल तलाक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर, विकसित भारत तक की थीम को इस कला शिविर में रचनात्मक तरीके से उकेरा गया है। मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग की तरफ से पुरातत्व पार्क महरौली में आयोजित इस 'विकसित भारत कला शिविर' में 1000 बाल एवं 75 युवा चित्रकारों द्वारा कला का प्रदर्शन किया जा रहा है

दिल्ली सरकार ने स्ट्रेटेजिक पर्यावरण एक्शन प्लान लागू किया

नई दिल्ली
दिल्ली सरकार ने 24७7 और 365-दिन का स्ट्रेटेजिक पर्यावरण एक्शन प्लान लागू किया है, ताकि टेक्नोलॉजी-आधारित उपायों और सख्त वैज्ञानिक परीक्षणों के जरिए शहर की हवा की सुरक्षा ढाल को मजबूत किया जा सके। हालिया आदेश में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पर्यावरण विभाग को स्मॉग-ईटिंग फोटोकैटलिटिक कोटिंग्स पर केंद्रित फिजिबिलिटी स्टडी करने के निर्देश दिए हैं, जिन्हें सड़कों, कंक्रीट और टाइल्स पर लगाया जा सकता है, ताकि जहां लोग रहते, चलते-फिरते और काम करते हैं, वहां नाइट्रोजन और हानिकारक हाइड्रोकार्बन में कमी लाई जा सके। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, दिल्ली सबसे बेहतर, प्रमाणित फोटोकैटलिटिक तकनीकों का मूल्यांकन करेगी, ताकि लोगों को जल्दी से जल्दी साफ हवा मिल सके।

उन्होंने कहा, प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की लड़ाई हर बच्चे, हर बुजुर्ग, हर कामगार के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है इसीलिए हम सरल, सुरक्षित, विज्ञान-आधारित समाधान जमीन पर उतार रहे हैं, नतीजों का आंकलन खुले रहे हैं और जहां दिल्ली के लोग अपनी सांस में फर्क महसूस करें, वहां तेजी से स्केल-अप कर रहे हैं।

पीएम का संबोधन राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने का रोडमैप: खंडेलवाल

नई दिल्ली
कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र नरेंद्र मोदी के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर राष्ट्र को दिए गए प्रेरक संबोधन का स्वागत किया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने न केवल व्यापारिक समुदाय को आश्वस्त किया है, बल्कि देश के 140 करोड़ भारतीयों के कर तंत्र में विश्वास को भी मजबूत किया है। सांसद खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि जीएसटी मात्र कर सुधार नहीं है, बल्कि एक पारदर्शी, सरल और प्रगतिशील अर्थव्यवस्था बनाने का सशक्त साधन है।
अगली पीढ़ी के जीएसटी का उनका दृष्टिकोण व्यापारियों, उपभोक्ताओं और हर उस नागरिक की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है, जो भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना चाहता है। कैट महामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अनुपालन में आसानी, कर बोझ कम करने, पारदर्शिता बढ़ाने और उपभोग को प्रोत्साहित करने का स्पष्ट संदेश व्यापार जगत के लिए नई ऊर्जा लेकर आया है। उन्होंने कहा कि कैट सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि जीएसटी में सुधारों का लाभ हर छोटे व्यापारी, हर उपभोक्ता और देश के हर कोने तक पहुंचे।

लूटपाट का विरोध करने पर मारा चाकू, तीन घायल

नई दिल्ली
दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र में शनिवार रात लूटपाट की कोशिश के दौरान चाकूबाजी की घटना सामने आई। इसमें तीन लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सतर्कता से दो आरोपितों को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। जबकि दो आरोपित फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक शनिवार रात करीब 10:15 बजे अमर कॉलोनी थाना पुलिस को पीसीआर कॉल मिली। कॉलर ने बताया कि कुछ लोग लूटपाट करने आए थे और चाकू मार दिया है, जिनमें से दो को पकड़ रखा है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो पता चला कि शिकायतकर्ता मिट्ठू गढ़ी गांव में अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान शीतला माता मंदिर के पास चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। आरोपितों ने मिथू पर हमला कर उनका मोबाइल फोन छीन लिया।

ईडी व सीबीआई का अधिकारी बनकर ठगे करोड़ों रुपये, मामला दर्ज

अधिकारी बन पूर्व बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर 23 करोड़ रुपये ठगे

नई दिल्ली
दक्षिणी दिल्ली के हौजखास इलाके में जालसाजों ने ईडी व सीबीआई का अधिकारी बन पूर्व बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर 23 करोड़ रुपये ठग लिए। जालसाजों ने पीड़ित को मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त बताया। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट कर फ्लैट से बाहर निकलने को मना कर दिया। ये सिलसिला एक महीने तक चलता रहा और पीड़ित ने आरोपितों के विभिन्न अकाउंट में रकम ट्रांसफर कर दी। फिलहाल पीड़ित की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आइएफएसओ यूनिट में एफआइआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने ठगी के 12.11 करोड़ रुपये को बैंक खाते में फ्रीज करा लिया है और आरोपितों की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, अपनी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि चार अगस्त मुंबई पुलिस के अधिकारी बताने वाले शख्स की उनके पास काल आई थी। उसने पीड़ित को मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त बताया। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट कर फ्लैट से बाहर निकलने को मना कर दिया। उसने पीड़ित को बैंक खातों में जमा पूरी रकम को बताए हुए खातों में ट्रांस्फर करने के लिए कहा। चूंकि पीड़ित इतना डरे हुए थे कि वह ठगों के अनुसार बताए हुए बैंक में रुपये जमा करते रहे। इसके बाद ठगों ने पीड़ित के कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी और कैनरा बैंक के खातों से रुपये अलग-अलग बैंक खातों में जमा करना शुरू किया। इस दौरान मुंबई पुलिस के अलावा प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के अधिकारी बन कर ठग फोन करते रहे। पीड़ित अधिकारी बने ठगों के अनुसार बताए हुए बैंक खातों में रकम जमा करते रहे। जब बैंक खाता पूरी तरह से खाली हो गया तो ठगों ने फोन बंद कर लिया। यह सिलसिला चार सितंबर तक चला। कुछ दिन तक पीड़ित ने घटना के बारे में किसी से बात नहीं की। लेकिन ठगे जाने का अहसास होने पर शुक्रवार को एनसीआरपी पोर्टल पर आनलाइन शिकायत दर्ज की जिसके बाद इस मामले को आइएफएसओ को भेज दिया गया।

दिल्ली में टला गैंगवार: सनी साई गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली
दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राजधानी में संगठित अपराध पर कार्रवाई करते हुए सनी साई गैंग के दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपने प्रतिद्वंदी गैंग के बदमाशों पर हमला करने की फिराक में घूम रहे थे। पुलिस ने इनसे अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि बदमाशों से दो अवैध पिस्तौल और कारतूस बरामद किए गए हैं। इनकी गिरफ्तारी से शहर में होने वाली एक बड़ी गैंगवार की साजिश को नाकाम हो गई। दोनों आरोपी हाल ही में जेल से रिहा हुए थे और प्रतिद्वंद्वी गुटों से बदला लेने की फिराक में थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों की पहचान सुक्खप्रीत उर्फ माफिया और शमशाद अली उर्फ पहलवान के रूप में हुई हैं। पुलिस ने शमशाद से एक पिस्तौल और दो कारतूस और सुक्खप्रीत के पास से एक पिस्तौल बरामद की है। डीसीपी के निर्देश पर पुलिस टीम लंबे समय से गैंग की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी।

साइबर हमलों के बाद यूरोप जाने वाली उड़ानों में व्यवधान की चेतावनी

जेसीबी के इस्तेमाल पर दिल्ली हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई

नई दिल्ली
दिल्ली हवाई अड्डे ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। एक तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाता पर साइबर हमले के बाद प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम प्रभावित हुए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट एडवाइजरी में यात्रियों से अपडेट के लिए अपनी एयरलाइनों से संपर्क करने को कहा गया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि लंदन, हीथ्रो सहित यूरोपीय हवाई अड्डों पर साइबर हमलों के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे से आने-जाने वाली यूरोप जाने वाली उड़ानों में कुछ व्यवधान आ सकते हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे उड़ान संबंधी नवीनतम अपडेट के लिए अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें। एयर इंडिया ने भी शनिवार को साइबर हमले के कारण एक यात्रा एडवाइजरी जारी की। एयर इंडिया ने लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर तृतीय-पक्ष यात्री प्रणाली में व्यवधान के संबंध में एक बयान जारी किया है, जिसमें यात्रियों को चेक-इन प्रक्रिया में संभावित देरी की चेतावनी दी गई है। एयरलाइन के ट्वीट के अनुसार, लंदन में ग्राउंड टीमें असुविधा को कम करने के लिए काम कर रही हैं। एक्स पर पोस्ट किए गए एक अपडेट में, एयर इंडिया ने कहा कि हीथ्रो में थर्ड-पार्टी पैसेंजर सिस्टम में व्यवधान के कारण चेक-इन प्रक्रिया में देरी हो सकती है। लंदन में हमारी ग्राउंड टीमें असुविधा को कम करने के लिए काम कर रही हैं। आज लंदन से हमारे साथ उड़ान भरने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे हवाई अड्डे पर पहुँचने से पहले अपना वेब चेक-इन पूरा कर लें ताकि एक सुचारू अनुभव सुनिश्चित हो सके। यह सलाह ऐसे समय में जारी की गई है जब ब्रसेल्स, लंदन हीथ्रो और बर्लिन सहित प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम के लिए जिम्मेदार एक ही सेवा प्रदाता पर साइबर हमले के बाद उड़ानों में देरी और रद्दीकरण का सामना करना पड़ रहा है। ब्रसेल्स हवाई अड्डे ने पुष्टि की है कि शुक्रवार देर रात हुए हमले के कारण स्वचालित सिस्टम ऑफलाइन हो गए थे।

डीयू के रग्बी ग्राउंड में नमो युवा रन का आयोजन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के दौरान रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के रग्बी ग्राउंड में नमो युवा रन का आयोजन किया। इसका आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा दिल्ली प्रदेश ने किया। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश संगठन मंत्री पवन राणा, दिल्ली प्रदेश संगठन मंत्री प्रदेश सह प्रभारी अल्का गुर्जर, जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण, सांसद मनोज तिवारी उपस्थित रहे।

अवैध रूप से भारत में रह रहे दो बांग्लादेशी नागारिक गिरफ्तार

नई दिल्ली
दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ की टीम ने भारत में अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी शिशिर ह्यूबर्ट रोजारियो और मोहम्मद तौहीदुर रहमान 2014 में वीजा लेकर भारत आए थे। लेकिन वीजा खत्म होने के बाद वापस नहीं गए और दिल्ली के अलग अलग हिस्सों में रहकर नौकरी करने लगे। फिलहाल पुलिस ने सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद एफआरआरओ की मदद से आरोपितों को वापस बांग्लादेश भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर विजय बालियान, एसआई विक्रम की टीम को महिपालपुर इलाके में किराए पर घर की तलाश कर रहे कुछ संदिग्धों की सूचना मिली। हेड कांस्टेबल सतपाल और कांस्टेबल संजय को घर की तलाश कर रहे संदिग्धों की पहचान कर उनकी जानकारी जुटाने का काम सौंपा गया।

मामूली कहासुनी के दौरान दो पक्ष आपस में भिड़े, एक की मौत

बवाना में मामूली विवाद ने दो गुटों के बीच चाकूबाजी हुई

नई दिल्ली
बाहरी उत्तरी जिले के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया थाना क्षेत्र के जे.जे. कॉलोनी बवाना में मामूली विवाद ने शनिवार रात दो गुटों के बीच हुई चाकूबाजी हुई। चाकू लगने से 27 वर्षीय मोहम्मद राजा उर्फ बादशाह की मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार रात करीब 9 बजे ई-ब्लॉक स्थित ढोलक वाली मस्जिद के पास दो गुटों में पहले से चल रहे कामकाजी विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि एक गुट के लोगों ने मोहम्मद राजा (27) पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। राजा को सिर और कमर पर कई वार किए गए। स्थानीय लोग तुरंत उसे महार्षि वाल्मीकि अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस झगड़े में मोहम्मद अकबर (23) भी घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

दिल दहलाने वाला हत्याकांड: बच्चे के हाथ तोड़े, गर्दन मरोड़ी, फिर पहाड़ी से फेंका

नाबालिग ने चार साल के मासूम की अगवा कर बेरहमी से हत्या कर दी

नई दिल्ली
मध्य जिला के आनंद पर्वत इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। महज बदला लेने की नियत से 15 साल के नाबालिग ने चार साल के मासूम की अगवा कर बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने मासूम का हाथ तोड़ने के बाद उसकी गर्दन मरोड़कर तोड़ दी। इसके बाद करीब 30 फीट ऊंची पहाड़ी से उसे नीचे फेंक दिया।
इसके बाद भी उसका दिल नहीं भरा तो आरोपी ने मासूम के चेहरे को पत्थर से कुचल दिया। घटना वाले दिन देर रात को पुलिस ने आनंद पर्वत इलाके के पहाड़ी इलाके से मासूम का शव बरामद कर लिया। बाद में 15 वर्षीय आरोपी नाबालिग को दबोच लिया गया। पुलिस ने हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। दरअसल, आरोपी ने मासूम हर्ष के पिता को सबक सिखाने की नियत से उसको अगवा किया। कुछ दिनों पहले मासूम हर्ष के मकान मालिक की बाइक चोरी हो गई थी। हर्ष की मां ने नाबालिग को बाइक ले जाते हुए देखा था। इसके बाद मकान मालिक से नाबालिग की शिकायत की गई। हर्ष के परिजनों की शिकायत पर नाबालिग के पिता ने उसकी पिटाई कर दी। अपने इसी अपमान का बदला लेने के लिए उसने इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। नाबालिग को जेजे बोर्ड में पेश कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मासूम का शव परिवार के हवाले कर दिया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की शिनाख्त हर्ष (4) के रूप में हुई है। इसके परिवार में पिता मुकेश कुमार, मां रजनी, भाई मयंक (7) और बहन माही (8) है। परिवार मूलरूप से यूपी के औरैया, छावनी का रहने वाला है। 20 साल पहले मुकेश काम के लिए दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में आया था। वह किराए के मकान में रहता है और एरिया में फास्ट फूड की दुकान चलाता है। मासूम हर्ष घर के पास ही ट्यूशन पढ़ने के लिए जाता था। 17 सितंबर की शाम करीब 6.30 बजे वह ट्यूशन पढ़कर लौटा और घर के बाहर खेलने लगा।

जीएसटी सुधार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक कदम: कैट

नई दिल्ली
कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने 22 सितंबर से पूरे देश में लागू होने जा रही जीएसटी की नई दरों से देश के व्यापारी वर्ग को लाभ होगा और उपभोक्ताओं को भी बड़ी बचत भी होगी। उन्होंने कहा कि ये सुधार स्वतंत्र भारत के सबसे क्रांतिकारी कर सुधारों में से एक हैं, जिनका उद्देश्य छोटे व्यापारियों को सशक्त करना, उपभोक्ता का विश्वास बढ़ाना और देश की अर्थव्यवस्था को 10 ट्रिलियन डॉलर की दिशा में अग्रसर करना है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को एक बयान में कहा कि कैट ने देशभर के सभी व्यापारी संगठनों से जीएसटी दरों में हुई इस कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया है। लगभग 400 वस्तुओं को 12 एवं 18 फीसदी के टैक्स स्लैब से हटाकर 5 फीसदी के स्लैब में लाया गया है। इसके अलावा 28 फीसदी के कर स्लैब को खत्म करके अधिकांश वस्तुओं को 18 फीसदी के स्लैब में लाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से 15 से 20 फीसदी तक कीमतों में कमी आएगी, जिसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा।

संपादकीय

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या ह्यकुदरत की नाराजगीह्ल को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिमार्ताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-ह्लप्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।ह्व यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मयार्दा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं।

देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है।

क्या चूहों के काटने से भी रेबीज हो सकता है? कब पड़ती है टीका लेने की जरूरत?

भारत/दुनिया में मानव रेबीज के अधिकांश मामले कुत्तों से होते हैं. जिस तरीके के देश में रेबीज के मामलों को लेकर सतर्कता बरती जा रही है, उस समय में चूहों के काटने से रेबीज का डर लोगों में कन्फ्यूजन भी फैला रहा है कि क्या चूहों के काटने से भी रेबीज फैल सकता है? आमतौर पर रेबीज कुत्तों, बिल्लियों, या बंदरों के काटने से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन चूहों के मामले में स्थिति थोड़ी अलग है. इसी कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए समझेंगे की क्या चूहों से रेबीज फैलता है या फिर किसी और बीमारी का कारण बन सकते हैं चूहें.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) के अनुसार, चूहे आमतौर पर रेबीज वायरस के वाहक नहीं होते. इसका मतलब है कि चूहे के काटने से रेबीज होने का खतरा न के बराबर होता है. हालांकि चूहे का काटना खतरनाक हो सकता है जिसमें रैटबाइट फीवर हो जाता है, अगर यह रैटबाइट फीवर नामक जीवाणु संक्रमण में बदल जाए जानलेवा भी हो सकता है. अगर आपको चूहे ने काट लिया है, तो इसे गंभीरता से लें और तुरंत इलाज करवाए.

चूहों के काटने के क्या खतरे

गाजियाबाद में जिला पशु पालन विभाग में संयुक्त सचिव डॉ. एस. पी पांडेय बताते हैं कि चूहों के दांत और लार में कई तरह के बैक्टीरिया और संक्रमण होते हैं, जो टेटनस, रैट-बाइट फीवर, और अन्य बैक्टीरियल इन्फेक्शन फैला सकते हैं. चूहा काटने से होने वाले बुखार का एक अन्य रूप हैवरहिल बुखार है. यदि आप चूहे के बैक्टीरिया से दूषित भोजन या तरल पदार्थ खाते हैं, तो आपको इस प्रकार का संक्रमण हो सकता है. इसके लक्षणों में गंभीर उल्टी और गले में खराश शामिल हो सकते हैं.

चूहे के काटने से होने वाले बुखार के प्रकार

चूहे के काटने से होने वाला बुखार आम नहीं है. हालांकि, इसके मामलों की हमेशा पहचान नहीं हो पाती क्योंकि बैक्टीरिया का निदान करना मुश्किल.

द बंगाल फाइल्स: इतिहास का वो सच, जो हमें कभी नहीं बताया गया

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

द बंगाल फाइल्स महज एक फिल्म नहीं है, यह भारत के इतिहास की उस रक्तरंजित सच्चाई का आईना है जिसे दशकों तक छुपाया गया। यहां तक कि अध्ययन के स्तर पर कभी किसी स्कूल की पढ़ाई में तमाम इतिहास के किरादारों एवं घटनाओं के पठन-पाठन के बीच कभी यह सच नहीं बताया गया कि कैसे भारत का रक्त रंजित हिन्दू हत्याओं का इतिहास है। इसके उलट हमारे समाज को बार-बार यह भ्रम दिया गया कि हम एक शांतिपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष और सभ्य देश में जी रहे हैं।

दरअसल, यह भ्रम इतना गहरा बैठा है कि पीढ़ियाँ यह मानकर बड़ी हुईं कि इतिहास मे जो कुछ हिंसा हुई वह तो आपसी दुश्मनी या सत्ता प्राप्ति के लिए था, फिर भी जो थोड़े-बहुत जख्म थे, वह भर चुके हैं। लेकिन यह फिल्म उस नकली पट्टी को हटाती है और दिखाती है कि घाव आज भी रिस रहा है। जब कोई दर्शक इसे देखता है तो उसकी प्रतिक्रिया मनोरंजन की नहीं बल्कि आत्ममंथन की होती है। वह तालियाँ नहीं बजाता, बल्कि चुप हो जाता है, क्योंकि स्क्रीन पर दिख रहा दर्द महज कल्पना नहीं बल्कि इतिहास का जीवित दस्तावेज है।

भारत का विभाजन केवल राजनीतिक समझौता नहीं था, यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा जबरन विस्थापन था। 1947 में लगभग एक करोड़ चौबीस लाख लोग अपनी जमीन-जायदाद छोड़कर पलायन के लिए मजबूर हुए। आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि दस से बीस लाख लोग इस विभाजन की हिंसा में मारे गए। लेकिन इन आँकड़ों के पीछे जो पीड़ा छिपी है, उसका कोई हिसाब नहीं। लाखों स्त्रियाँ अपमानित हुईं, हजारों बच्चों का भविष्य अंधेरे में डूब गया।

16 अगस्त की रात, ग्रेट कलकत्ता किलिंग

इतिहास में इस रक्तपात की जड़ें 16 अगस्त 1946 को बोई गईं, जब मुस्लिम लीग ने डायरेक्ट ऐक्शन डे घोषित किया। कोलकाता की सड़कों पर उस दिन से शुरू हुई हिंसा ने तीन दिनों में कम-से-कम 10,000 लोगों की जान ले ली। ब्रिटिश प्रशासन की रिपोर्टों और द स्टेट्समैन जैसे अखबारों के समकालीन विवरणों से यह साफ है कि यह नरसंहार योजनाबद्ध था। लगभग डेढ़ लाख लोग विस्थापित हुए और हिंदू बहुल बस्तियाँ राख में बदल गईं। इसे ही इतिहास ने ग्रेट कलकत्ता किलिंग का नाम दिया।

अभी यह जख्म ताजा ही था कि अक्टूबर 1946 में नोआखाली में और भी भयावह घटनाएँ घटीं। यह क्षेत्र आज बांग्लादेश का हिस्सा है। वहाँ पर सुनियोजित तरीके से हिंदुओं के गाँवों पर हमला किया गया। सैकड़ों गाँव जलाए गए, हजारों महिलाओं का जबरन धर्मांतरण किया गया और बलात्कार तो सामान्य वारदात बन गए। आँकड़े बताते हैं कि केवल कुछ ही हफ्तों में लगभग 1000 हिंदुओं की हत्या की गई और लगभग 70,000 से अधिक लोग बेघर हो गए। जिन स्त्रियों को जबरन मुसलमान बनाया गया, उनकी संख्या आज भी अज्ञात है क्योंकि पीड़ित परिवारों ने सामाजिक कलंक के डर से कभी अपनी कहानी दर्ज नहीं कराई। गाँधी जी वहाँ पहुँचे, उन्होंने उपवास किया, प्रवचन दिए, लेकिन पीड़ितों की पीड़ा पर कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। वस्तुतः फिल्म द बंगाल फाइल्स इन घावों को याद कराती है और हमें बताती है कि इतिहास के ये अध्याय हमारे सामूहिक स्मृति से मिटा दिए गए।

पलायन का दर्द जो कभी नहीं भर सकता

यह सब एकबारगी घटनाएँ नहीं थीं। 1947 के विभाजन में पंजाब और बंगाल दोनों जगहों पर नदियाँ खून से लाल हो गईं। आधिकारिक रूप से दस से बीस लाख लोग मारे गए, लेकिन कई स्वतंत्र इतिहासकार मानते हैं कि यह संख्या तीस लाख तक भी हो सकती है। 1947 से 1951 के बीच लगभग 72 लाख हिंदू और सिख भारत आए जबकि उतने मुसलमान पाकिस्तान नहीं गए। यह आँकड़े बताते हैं कि पलायन कितना असमान और हिंसक था।

इतिहास की यह क्रूरता यहीं नहीं रुकी। 1971 में जब पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर ऑपरेशन सर्चलाइट चलाया तो यह मानवता के इतिहास का एक और बड़ा नरसंहार बना। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमान के अनुसार 20 से 30 लाख लोग मारे गए। इनमें बड़ी संख्या हिंदुओं की थी। लगभग 2 से 4 लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। करीब एक करोड़ लोग भारत में शरण लेने आए, जिनमें से अधिकांश बंगाल और त्रिपुरा में बसे। यह विस्थापन आज भी उन इलाकों के सामाजिक ढाँचे पर बोझ है। लेकिन हमारी किताबों में इसे एक युद्ध का परिणाम कहकर दबा दिया गया, जैसे यह कोई सामान्य घटना हो।

बंगाल की तरह कश्मीर में भी वही घटा है

इतिहास की इस लड़ी में 1990 का कश्मीरी हिंदुओं का पलायन भी शामिल है। आँकड़े बताते हैं कि उस समय घाटी में लगभग 3.5 लाख हिंदू रहते थे। देखते-देखते आतंक और हिंसा के चलते 95 प्रतिशत लोग अपने घर छोड़कर भागे। सरकारी आँकड़े कहते हैं कि लगभग 1000 लोग मारे गए, लेकिन कश्मीरी पंडित संगठनों का दावा है कि वास्तविक संख्या कई गुना अधिक थी। महिलाओं के साथ बलात्कार, बच्चों की हत्याएँ और भयावह धमकियाँ इस पलायन के पीछे थीं। यह सब कुछ उसी सिलसिले का हिस्सा था जो 1946 में बंगाल से शुरू हुआ था।

द बंगाल फाइल्स इस पूरे सिलसिले को जोड़ती है। यह कहती है कि कट्टरपंथ अगर आपके आसपास पनप रहा है, तो यह मत सोचिए कि यह केवल किसी और की समस्या है। परसों बंगाल की बारी थी, कल कश्मीर की थी और कल को शायद आपकी बारी हो। यही संदेश इस फिल्म को महज मनोरंजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक चेतावनी बनाता है।

भारत माता बार-बार लहूलुहान हो रही

फिल्म का केंद्रीय पात्र भारती बनर्जी दरअसल उस आहत भारतमाता का प्रतीक है जो बार-बार लहूलुहान होती रही। पल्लवी जोशी का अभिनय इसे जीवंत बना देता है। दर्शक यह महसूस करता है कि यह केवल एक स्त्री की नहीं, बल्कि एक सभ्यता की पीड़ा है। फिल्म में गोपाल पाठा जैसे भूले हुए नायकों का उल्लेख है, जिनका नाम हमारे बच्चों ने कभी नहीं सुना। स्कूलों की किताबों में यह जगह ही नहीं पा सके। क्यों क्योंकि जिन इतिहासकारों ने किताबें लिखीं, उन्होंने वामपंथी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर एकपक्षीय आख्यान गढ़ा।

फिल्म के संवाद भी आँकड़ों की तरह कठोर और सच्चाई से भरे हैं। जब एक अफसर अपने वरिष्ठ से पूछता है कि ह्लक्यों हर अपराध को हिंदू-मुस्लिम का रंग देकर दबा दिया जाता हैह्व तो यह सवाल केवल इतिहास का नहीं, बल्कि आज का भी है। हम हर समस्या को सांप्रदायिक कहकर टाल देते हैं और असली मुद्दे को छुपा देते हैं। यही कारण है कि यह फिल्म हमें असहज करती है। यह हमारी उस नकली आत्म-छवि को तोड़ देती है जिसमें हम मानते हैं कि सब कुछ ठीक है। द बंगाल फाइल्स यही सवाल पूछती है। यह याद दिलाती है कि भारत का विभाजन केवल भौगोलिक नहीं था, यह सभ्यता और अस्मिता पर किया गया घाव था। गाँधी जी की नीतियों से लेकर कांग्रेस नेताओं की अधीरता तक, और वामपंथी इतिहासकारों की चुप्पी से लेकर मीडिया की अनदेखी तक, हर मोड़ पर हिंदुओं के नरसंहार को दबाने की कोशिश हुई। फिल्म यह भी दिखाती है कि यह हिंसा कोई एक बार की घटना नहीं, यह आज भी लगातार अनवरत किसी न किसी रूप में जारी है।

जरूरी है भारत को अपने अतीत के सच जानना

यह भी याद रखना होगा कि दुनिया में जब-जब सच सामने आया है, समाज और संवेदनशील हुआ है। जर्मनी ने यहूदी नरसंहार की सच्चाई स्वीकार की, तभी वह आत्ममंथन कर सका। अमेरिका ने अश्वेतों और मूल निवासियों पर हुए अत्याचारों को स्वीकार किया, तभी सुधार संभव हुआ। भारत अगर अपने अतीत का सच नहीं देखेगा, तो वह भविष्य की त्रासदियों से कैसे बचेगा

फिल्म हमें अतीत को वर्तमान बना घटनाओं के बीचोबीच खड़ा करती है

द बंगाल फाइल्स की सिनेमैटोग्राफी और संगीत दर्शक को उसी समय में खींच ले जाते हैं। जब बैकग्राउंड में पुराने बांग्ला गीत बजते हैं और दृश्य में जली हुई बस्तियाँ दिखती हैं तो लगता है कि हम इतिहास के पन्ने नहीं, बल्कि उस समय के बीचोबीच खड़े हैं। अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार जैसे कलाकारों का अभिनय इस संदेश को और गहरा बना देता है। लेकिन इस फिल्म की असली ताकत यह है कि यह केवल इतिहास की बात नहीं करती। यह वर्तमान और भविष्य को भी जोड़ती है।

यह कहती है कि अगर समाज समय रहते सचेत नहीं हुआ, तो वही त्रासदी बार-बार लौटेगी।

यह हमें चेतावनी देती है कि कट्टरपंथ

वृद्धावस्था की ओर बढ़ता भारत

प्रमोद भार्गव

प्रकृतिजन्य जैविक घटना के अनुसार एक संतुलित समाज में बच्चों, किशोरों, युवाओं, प्रौढ़ों और बुजुर्गों की संख्या को एक निष्चित अनुपात में होना चाहिए। अन्यथा यदि कोई एक आयु समूह की संख्या में गैर आनुपातिक ढंग से वृद्धि दर्ज ही जाती है तो यह वृद्धि उस संतुलन को नश्ट कर देगी, जो मानव समाज के विकास का प्राकृतिक आधार बनता है। भारत में जिस तेजी से बुजुर्गों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, वह आर्थिक व स्वास्थ्य सेवाओं की दृश्टि से तो संकट पैदा कर ही रही है, देष का भविश्य माने जाने वाले युवाओं के हित का एक बड़ा हिस्सा भी बुजुर्गों पर न्योछावर किया जा रहा है। संतुलित मानव विकास के लिए यह दुरभिसंधि घातक है।

भारतीय आबादी के सिलसिले में नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) की सांख्यिकीय रिपोर्ट-2023 ने देष में आबादी घटने के भयावह संकेत दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार देष में कामकाजी आयुवर्ग (15-59 वर्श) की जनसंख्या का अनुपात बढ़ रहा है, जबकि 0 से 14 आयुवर्ग की आबादी में लगातार गिरावट देखी जा रही है। यही नहीं, प्रजनन दर में कमी दर्ज की गई है। रपट के अनुसार वर्श 1971 से 1981 के बीच 0-14 आयुवर्ग की हिस्सेदारी 41.2 फीसदी से घटकर 38.1 फीसदी रह गई है। जबकि 1991 से 2023 के बीच यह आंकड़ा 36.3 प्रतिषत से गिरकर 24.2 प्रतिषत रह गया है। महापंजयक की ओर से जारी इस रिपोर्ट से पता चलता है कि इसी अवधि में देष की कुल प्रजनन दर 1971 के 5.2 से घटकर 2023 में 1.9 रह गई है। एसआरएस ने इस रिपोर्ट में लगभग 88 लाख की नमूना जनसंख्या को दर्ज किया है। इस कारण यह विष्व के सबसे बड़े जनसांख्यिकय सर्वेक्षणों में से एक है। इसी 2018 के सर्वेक्षण में एक मां के उसके अपने जीवन काल में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.2 आंकी गई थी। अब 2023 के सर्वेक्षण में 1.9 रह गई है। इस दर में गिरावट के चलते वह दिन दूर नहीं, जब देष में कुल प्रजनन दर और नीचे चली जाए ? इस विशय के जानकार लोगों का मानना है कि यदि भारत ने यह आंकड़ा छू लिया तो जनसंख्या स्थिर हो जाएगी और फिर कुछ वर्शों में घटने लगेगी। बालिकाओं के गिरते लिंगानुपात के कारण भी यह स्थिति बनेगी। ये हालात सामाजिक विकृतियों को बढ़ावा देने वाले साबित हो सकते हैं। ऐसे में विवाह की उम्र बढ़ाने की जो चर्चा चल रही है, वह निकट भविश्य में बड़ी समस्या पैदा कर सकती है ?

रपट के आंकड़े बताते हैं कि देष के सभी राज्यों और केंद्र षासित प्रदेषों में 0-14 आयुवर्ग में लड़को की संख्या लड़कियों से अधिक है, केवल दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों को छोड़कर, यहां लड़कियों का अनुपात अधिक है। एसआरएस की रिपोर्ट में जो आंकड़े सामने आए है, वे जन्म के समय लिंगानुपात के हैं। जैविक तौर पर जन्म के समय सामान्य लिंगानुपात प्रति एक हजार बालिकाओं पर 1050 बालकों का रहता है या प्रति एक हजार बालकों पर 950 बालिकाओं का। बिगड़ा यह लिंगानुपात विवाह व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर डालता है। बिगड़ते लिंगानुपात के चलते इस स्थिति में सुधार के लिए सरकारी हस्तक्षेप जरूरी है।

उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 : जीत एनडीए की तय, पर असली जंग विपक्ष की एकजुटता तोड़ने की

अजय कुमार

भारतीय राजनीति में उपराष्ट्रपति चुनाव हमेशा औपचारिकता भर लगते हैं, क्योंकि सत्तारूढ़ पक्ष आम तौर पर आंकड़ों के बल पर बाजी मार लेता है। लेकिन इस बार 9 सितंबर 2025 को होने जा रहा चुनाव महज जीत-हार तक सीमित नहीं है। असली लड़ाई जीत के अंतर को बढ़ाने और विपक्ष की एकजुटता को कमजोर करने की है। यही कारण है कि सत्ता और विपक्ष, दोनों खेमों ने अपनी-अपनी रणनीतियों को आक्रामक बनाया है। एनडीए की ओर से सीपी राधाकृष्णन उम्मीदवार हैं और उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही है। विपक्षी इंडिया गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा है और चुनाव को वैचारिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। लेकिन पूरे माहौल में सबसे ज्यादा चर्चा समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हुई फोन कॉल को लेकर है, जिसने क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं पर नई बहस छेड़ दी है। 6 सितंबर को राजीव राय का जन्मदिन था। इस मौके पर अमित शाह ने उन्हें फोन कर बधाई दी। यह कॉल सतह पर तो शिष्टाचार लग रही थी, लेकिन इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही राजनीतिक हलकों में सवाल उठने लगे। वीडियो में राजीव राय हल्के-फुल्के अंदाज में अपनी उम्र को लेकर मजाक करते नजर आए, जिसे यूपी-बिहार की राजनीति में नेताओं की उम्र पर चलने वाली चुटकियों से जोड़कर देखा गया। पर

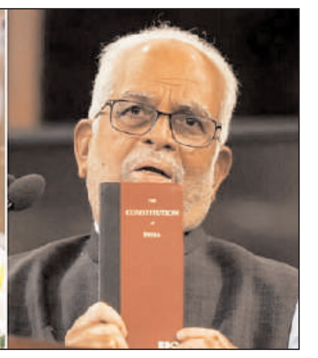

असली महत्व इस कॉल की टाइमिंग और संदर्भ का था। उपराष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले हुई इस बातचीत ने विपक्षी खेमे की बेचैनी बढ़ा दी। राय ने सफाई दी कि यह रिकॉर्डिंग उनके किसी कार्यकर्ता ने की और अनजाने में व्हाट्सएप ग्रुप पर डाल दी। बावजूद इसके, यह सवाल बना रहा कि क्या अमित शाह का यह कदम केवल शिष्टाचार था या फिर किसी गहरी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा।

राजीव राय का राजनीतिक सफर भी इस बहस को और दिलचस्प बनाता है। 2024 लोकसभा चुनाव में उन्होंने घोसी सीट से एनडीए प्रत्याशी अरविंद राजभर को हराया और सपा के लिए महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। उन्हें अखिलेश यादव का करीबी और रणनीतिकार माना जाता है। दिलचस्प यह भी है कि उनकी जीत में बीजेपी के परंपरागत वोटरों का योगदान माना गया था। ऐसे में सत्ता पक्ष से तालमेल बनाए रखना उनके लिए व्यावहारिक राजनीति हो सकती है। यही कारण है कि यूपी-बिहार के राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि सपा के कुछ सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के पक्ष में वोट डाल सकते हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि सपा के 3 से 5 सांसद क्रॉस वोटिंग कर सकते हैं, खासकर वे जिनके क्षेत्र में बीजेपी का प्रभाव मजबूत है उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 781 सांसदों को वोट डालना है, लेकिन 6 सीटें खाली हैं, इसलिए निर्वाचक मंडल में 775 वोट होंगे। जीत के लिए 388 वोट की जरूरत है। एनडीए के पास पहले से ही 439 वोटों का मजबूत आधार है। इसमें बीजेपी के 240 लोकसभा और 95 राज्यसभा सांसदों के अलावा जेडीयू के 12, टीडीपी के 16, शिवसेना के 7 और अन्य सहयोगियों के वोट शामिल हैं। यानी राधाकृष्णन की जीत तय है। इसके विपरीत इंडिया गठबंधन के पास 324 वोट का अनुमान है। इसमें कांग्रेस के 99 लोकसभा और 26 राज्यसभा सांसद, सपा के 37, टीएमसी के 29, डीएमके के 22 और आम आदमी पार्टी के 10 सांसद शामिल हैं। हालांकि 18 सांसद ऐसे हैं, जिनका रुख अब तक साफ नहीं है। इनमें बीजेडी के 7, बीआरएस के 4, अकाली दल का 1, जेडपीएम का 1, वीओटीटीपी का 1 और 3 निर्दलीय सांसद शामिल हैं।

चुनाव गुप्त मतदान और एकल हस्तांतरणीय वोट प्रणाली से होता है। इसमें सांसदों को प्राथमिकता अंकित करनी होती है और गलत वोटिंग से मतपत्र रद्द हो सकता है। यही कारण है कि क्रॉस वोटिंग की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। इस बार भी यही स्थिति है। बीजेपी ने अपने सांसदों के लिए प्रशिक्षण सत्र कराए हैं ताकि कोई वोट अमान्य न हो और 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जा सके। एनडीए की रणनीति साफ है सिर्फ जीतना नहीं बल्कि भारी अंतर से जीतकर विपक्ष को यह संदेश देना कि उसकी एकजुटता महज कागजी है।एनडीए के वरिष्ठ नेता विपक्षी सांसदों और निर्दलीयों से सीधे संपर्क साध रहे हैं।

अमित शाह और राजनाथ सिंह व्यक्तिगत तौर पर कई सांसदों से बातचीत कर चुके हैं। वाईएसआरसीपी, जिसके पास 11 सांसद हैं, पहले ही संकेत दे चुकी है कि वह विपक्ष का साथ नहीं देगी। 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में भी वाईएसआरसीपी ने एनडीए के पक्ष में मतदान किया था। बीजेडी भी अतीत में एनडीए को समर्थन देती रही है और इस बार भी संभावना इसी की है। बीआरएस के 4 सांसद और कुछ निर्दलीय भी एनडीए के खेमे में जा सकते हैं। इन हालात में विपक्ष की मुश्किलें और बढ़ती दिख रही हैं।

आखिरी कतार में बैठ कर प्रधानमंत्री मोदी ने दिया कार्यकताओं को सन्देश

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सादगी की हाल ही में एक और मिसाल देखने को मिली। प्रधानमंत्री मोदी भाजपा की कार्यशाला में एक साधारण सांसद की तरह शामिल हुए और कार्यक्रम की कार्यवाही में शुरूआत से ही हिस्सा लिया। यह कार्यशाला उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी के लिए भाजपा सांसदों के लिए आयोजित की गई थी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी आगे की सीट पर न बैठकर सबसे पिछली पंक्ति में बैठे और एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह बैठक में भाग लिया।इस दौरान सांसदों ने एक प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री मोदी को ऐतिहासिक #ऋील्लठी७३ऋ्रळ रिफॉर्म्स के लिए बधाई दी। यह घटना भाजपा के भीतर एकता और विनम्रता का प्रतीक बन गई है, जहां प्रधानमंत्री ने अपनी सादगी से सभी को प्रभावित किया।

भाजपा ने उपराष्ट्रपति चुनाव की रणनीति और तैयारी के लिए दिल्ली में सांसदों की एक विशेष कार्यशाला आयोजित की थी। इस कार्यक्रम की कार्यवाही रविवार सुबह से शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें शुरूआत से ही हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी जब वहां पहुंचे, तो उन्होंने आगे की सीट पर बैठने की बजाय पीछे की पंक्ति चुन ली। वह एक सामान्य कार्यकर्ता या सांसद की तरह बैठक में शामिल हुए और सभी चचाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कदम प्रधानमंत्री की

विनम्रता और पार्टी कार्यकताओं से जुड़ाव को दशार्ता है।

यह कार्यशाला मुख्य रूप से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भाजपा सांसदों को तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह चुनाव मंगलवार 9 सितंबर को होने वाला है, और एनडीए ने 425 सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई है। कार्यशाला में सांसदों को मतदान प्रक्रिया की बारीकियां समझाई गईं, ताकि कोई गलती न हो। प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और महत्वपूर्ण बना दिया, और सांसदों में उत्साह बढ़ाया। इस कार्यशाला के दौरान सांसदों ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक जीएसटी रिफॉर्म्स के लिए बधाई दी गई। यह रिफॉर्म्स जीएसटी प्रणाली में नई पीढ़ी के सुधारों का हिस्सा हैं, जो अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लाए गए हैं। सांसदों ने प्रधानमंत्री की नेतृत्व क्षमता की सराहना की और कहा कि इन सुधारों से देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को विनम्रता से स्वीकार किया और पार्टी कार्यकताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी का पीछे की सीट पर बैठना एक संदेश था कि भाजपा में सभी बराबर हैं। वह आगे की सीट पर न बैठकर सामान्य सांसद की तरह कार्यक्रम में शामिल हुए, जो उनके जमीन से जुड़े व्यक्तित्व को दशार्ता है। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जहां लोग प्रधानमंत्री की विनम्रता की तारीफ कर रहे हैं। भाजपा कार्यकताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री का यह कदम पार्टी की जड़ों को मजबूत करता है और युवा कार्यकताओं को प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीछे बैठने की तस्वीर सोशल मीडिया पर सुबह से वायरल हो रही थी , जसमें वे सुबह 10:45 बजे पार्टी की सांसद कार्यशाला में पहुंचे औरह्व पीछे जाकर चुपचाप बैठ गए।

ट्रंप की द न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत खारिज

एजेंसी

वाशिंगटन। फ्लोरिडा के एक संघीय न्यायाधीश ने द न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ चार दिन पहले दायर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानहानि की शिकायत को खारिज कर दिया। संघीय न्यायाधीश ने शिकायत को अनुचित और अस्वीकार्य बताया। न्यायाधीश ने ट्रंप के वकीलों को संशोधित शिकायत दर्ज करने के लिए 28 दिन का समय दिया। 15 अरब डॉलर के हर्जाने की मांग वाली शिकायत में द न्यूयॉर्क टाइम्स और उसके चार पत्रकारों के साथ-साथ प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस पर एक सफल व्यवसायी के रूप में ट्रंप की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया गया था। फॉक्स न्यूज के अनुसार, फ्लोरिडा के मध्य जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश स्टीवन डी. मेरीडे ने कहा कि राष्ट्रपति की 85 पृष्ठों की शिकायत अनावश्यक रूप से लंबी और विषय से भटकाने वाली है। उन्होंने मानहानि का औपचारिक आरोप दर्ज करने के लिए 80वें पृष्ठ तक इंतजार करने और उससे पहले राष्ट्रपति की प्रशंसा करने और कई शिकायतों का जिक्र करने वाले दर्जनों अतिशयोक्तिपूर्ण और कमजोर करने वाले पृष्ठ शामिल करने के लिए ट्रंप के वकीलों की आलोचना की।

नेपाल में भारी बारिश और भूस्खलन से सात राजमार्ग अवरुद्ध

काठमांडू। नेपाल में पिछले कुछ दिनों से जारी भारी बारिश और भूस्खलन के कारण देशभर के सात प्रमुख राजमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं।नेपाल पुलिस के मुख्य प्रवक्ता और उप महानिरीक्षक बिनोद घिमिरे ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति सामान्य करने के लिए प्रयास जारी है। भोटखोला में कोशी राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध है। मकालू के इक्का क्षेत्र में कोशी राजमार्ग का एक हिस्सा भी बाधित है। सिद्धिचरन राजमार्ग पर कटारी की सड़क भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। बाढ़ के पानी ने रसुवा को चीन से जोड़ने वाले मितेरी ब्रिज पर यातायात को भी बाधित कर दिया है।अरानिको राजमार्ग पर कोदारी और डकलांग में सिंधुपालचोक की भोटेकोशी में भूस्खलन ने दोनों सड़क खंड को अवरुद्ध कर दिया है।चितवन में इच्छाकामाना के तुइन खोला में भूस्खलन ने नारायणगढ़-मुगलिन सड़क को अवरुद्ध कर दिया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम को हुए भूस्खलन के बाद से यातायाता अवरुध हो गया है।कालीगंडकी कॉरिडोर, रत्न राजमार्ग और गलची-त्रिशुली के पास पूर्व-पश्चिम राजमार्ग पर सड़कों को आंशिक रूप से खोल दिया गया है, जिससे एकतरफा यातायात शुरू हो सका है। अधिकारियों ने यात्रियों से सतर्क रहने और यातायात निर्देश का पालन करने का आग्रह किया है क्योंकि प्रभावित राजमार्गों पर सड़क पर से मलबा हटाने का काम जारी है।

बलोचिस्तान में पीपीपी और पीएमएल-एन नेता के घरों पर ग्रेनेड हमला, सात सुरक्षाकर्मी घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलूचिस्तान के खुजदार के दो तलवार इलाके में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता आगा शकील अहमद दुर्रानी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सीनेटर आगा शाजेब दुर्रानी के आवास पर हुए ग्रेनेड हमले में सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। खुजदार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शहजादा उमर अब्बास बाबर के अनुसार, हमलावरों ने घर की बाहरी दीवार पर ग्रेनेड फेंका। इससे विस्फोट हुआ और आसपास की इमारतों में भी इसकी गूंज सुनाई दी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार हमलावर विस्फोट के बाद भागने में सफल रहे। सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बाबर ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों की मदद से आगे की जांच जारी है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर लेंगे और उनके पीछे छिपे तत्वों का पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने बताया कि घायल सुरक्षा कर्मियों को खुजदार टीचिंग अस्पताल ले जाया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनकी हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आतंकवादी कृत्य बताया।

यूएनएससी द्वारा प्रतिबंध हटाने में विफल रहने पर आईएईए के साथ सहयोग होगा निलंबित-ईरान

तेहरान। ईरान के शीर्ष सुरक्षा निकाय ने घोषणा की कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा तेहरान पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने के प्रस्ताव को बरकरार न रखने के प्रस्ताव के बाद, संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के साथ देश का सहयोग प्रभावी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा। यह बयान ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) की ओर से आया है, जिसमें राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की अध्यक्षता में हुई बैठक के परिणामों का विवरण दिया गया है।बैठक के दौरान, एसएनएससी ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के संबंध में फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी - जिन्हें सामूहिक रूप से ई -3 के रूप में जाना जाता है - द्वारा विवेकहीन कार्रवाइयों पर चर्चा की परिषद ने घोषणा की कि यूरोपीय देशों की कार्रवाइयों के जवाब में, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ तेहरान का सहयोग प्रभावी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा, जबकि ईरान एजेंसी के साथ सहयोग जारी रखे हुए है और परमाणु मुद्दे को हल करने के प्रस्ताव भी मौजूद हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध से अमेरिका पैसे कमा रहा: ट्रम्प

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन की जंग से पैसे कमा रहा है। उनका यह बयान उनके पहले के रुख के विपरीत है, जिसमें उन्होंने कीव को बिना शर्त सैन्य समर्थन देने की बात कही थी, जिसके तहत अमेरिका उसे हथियारों की आपूर्ति करता रहा है।

आरटी की रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए श्री ट्रंप ने जुलाई में उस हस्ताक्षरित समझौते की प्रशंसा की, जिसके तहत अमेरिका अपने साथी नाटो सदस्यों को हथियार बेचता है, जो बाद में वे यूक्रेन को सौंप देते हैं। श्री ट्रंप ने कहा, हम युद्ध पर और खर्च नहीं कर रहे हैं। क्या आप जानते हैं हमें जो कुछ भी भेजा गया है, उसके लिये भुगतान किया जा रहा है, बाइडेन के जैसे नहीं। उन्होंने उन्हें 350 अरब डॉलर दिये और ये चौंकाने वाला था। उन्होंने जोर देकर

कहा कि युद्ध को नाटो द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।उन्होंने कहा, असल में मैं उस युद्ध से पैसे नहीं कमाना चाह रहा, लेकिन सच में हम इस युद्ध से पैसे कमा रहे क्योंकि वे हमारे उपकरण खरीद रहे, जैसा कि आप जानते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पूर्व राष्ट्रपति जो बिडेन पर कटाक्ष करते हुये उनकी आलोचना की कि उन्होंने यूक्रेन को अमेरिका से हथियार खरीदने की पूरी छूट दे दी और देश के राष्ट्रीय खजाने को खाली करने तथा करदाताओं के खर्च पर पूरे युद्ध का वित्तपोषित किया। उन्होंने अलग से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की पर हमला बोला और उन्हें 'धरती का सबसे बड़ा विक्रेता' बताया, क्योंकि उनके देश में हथियारों की आपूर्ति लगभग असीमित हो रही। गौरतलब है कि श्री ट्रम्प ने इस साल के आरंभ में रूस के साथ सीधी वार्ता पुन- शुरू की थी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते खुल गये थे, लेकिन उन्होंने युद्ध को समाप्त करने में एंकोरेज शिखर सम्मेलन की विफलता को स्वीकार किया था।

उन्होंने अमेरिका-रूस संबंधों में सुधार के लिए इसकी प्रशंसा की थी, लेकिन अन्य सभी तरीके बहुत कम उपयोगी साबित हुये क्योंकि मॉस्को की प्रगति निर्बाध रूप से जारी है। रूस ने दावा किया कि पश्चिमी हथियारों की कोई भी मात्रा उसे जीत हासिल करने से नहीं रोक सकती और उसने यूक्रेन को छद्म रूप में इस्तेमाल करके नाटो देशों को युद्ध का वास्तविक नेता बताया।

बांग्लादेश के बाजारों से बड़े आकार की हिल्सा मछली गायब

एजेंसी

ढाका। भारत में चटखारे लेकर खाई जाने वाली बांग्लादेश से आयातित हिल्सा मछली का आकार आजकल वहां के मछुआरों के लिए बड़ा मसला बना हुआ है क्योंकि देश के दक्षिणी क्षेत्र के बाज़ारों से बड़े आकार की हिल्सा लगभग गायब हो गई हैं। व्यापारियों का कहना है कि अब ज़्यादातर पकड़ी गई हिल्सा का वज़न 200 से 400 ग्राम के बीच ही है। डेली स्टार के मुताबिक देश के बाजारों से बड़े आकार की हिल्सा मछलियां लुप्त सी हो गई हैं और जबकि छोटी मछलियों की बाढ़ सी आ गई है।

बरिशाल संभागीय मत्स्य कार्यालय के अनुसार ये छोटी हिल्सा 400 से 600 टका प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही हैं। वर्तमान में पकड़ी जा रही 60-65 प्रतिशत हिल्सा इसी आकार की हैं। इस बीच मछुआरों ने बताया कि पिछले वर्षों के विपरीत इस साल न केवल पकड़ी गई मछलियां कम मात्रा में हैं, बल्कि उनमें भी छोटे आकार की मछलियां ज़्यादा हैं। गौरतलब है कि मौसम के इसी चरण में बड़ी मछलियां उपलब्ध होती थीं। संभागीय मत्स्य विभाग ने बताया कि 225 ग्राम से कम वज़न वाली हिल्सा को जटका माना जाता है जिन्हें पकड़ना और बेचना प्रतिबंधित है। फिर भी जटका और थोड़ी बड़ी मछलियाँ बाज़ारों में खुलेआम बिक रही हैं। हाल ही में बारिशाल संभाग के 364 बाज़ारों और लैंडिंग स्टेशनों पर लगभग 567 टन हिल्सा मछलियाँ लाई गईं जिनमें से 65 प्रतिशत का वज़न 200 से 400 ग्राम के बीच ही था। बारिशाल बदंरगाह रोड के थोक लैंडिंग केंद्र पर आरिफ एंटरप्राइज के प्रबंधक मोहम्मद शकील ने बताया कि बाज़ार में ज़्यादातर आपूर्ति छोटी मछलियों की ही हो रही है।

गाजा से रिहा 48 कैदियों की 'विदाई तस्वीर' में दिखाई दिए नेपाल के विपिन जोशी

एजेंसी

काठमांडू। हमास की सशस्त्र शाखा ने गाजा में बंद 48 इजरायली कैदियों को रिहा कर दिया है। 'विदाई तस्वीर' में नेपाल के विपिन जोशी भी दिखाई दिए हैं। अब हमास के कब्जे से छुडाकर नेपाली युवक विपिन जोशी को भी नेपाल लाये जाने की संभावना बढ़ गई है। समाचार एजेंसी के अनुसार हमास ने इजरायली कैदियों की विदाई फोटो ऐसे समय जारी की है, जब इजरायली सेना घेरे हुए क्षेत्र के सबसे बड़े शहर को नष्ट करने और उस पर नियंत्रण करने के अपने अभियान को जारी रखे हुए है। .

कस्साम ब्रिगेड ने तस्वीरों का एक संकलन ऑनलाइन पोस्ट किया, जिसमें जीवित और मृत कैदियों के चेहरे दिखाई दे रहे हैं। कैप्शन में उन सभी को रॉन अराद कहा गया है।

हमास की ओर से जारी फोटो में लिखा है, यह एक विदाई फोटो है, क्योंकि नेतन्याहू के इनकार और ज़मीर के आत्मसमर्पण के कारण गाजा शहर में सैन्य अभियान शुरू हो गया है। हमास ने दावा किया है कि इजरायल के व्यापक जमीनी और हवाई हमलों ने गाजा पट्टी में बंद गया था। मारे गए नेपाली नागरिकों में अधिकतर छात्र थे, उनके शव स्वदेश लाये जा चुके हैं। सैकड़ों नेपाली नागरिकों को भी सुरक्षित नेपाल लाया जा चुका है, लेकिन

कैदियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। हमास की ओर से इजरायल पर हमले के पहले दिन ही करीब दर्जन भर नेपाली नागरिकों की हत्या करने के साथ ही कई नेपाली नागरिकों का अपहरण कर लिया हमास के कब्जे से नेपाली युवक विपिन जोशी की अब तक रिहाई नहीं हो पाई है। अब कैदियों की 'विदाई तस्वीर' में विपिन के दिखने से उसे भी नेपाल लाये जाने की संभावना बढ़ गई है।

एच-1 बी वीजा शुल्क वृद्धि का फैसला अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक: कृष्णमूर्ति

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1 बी वीजा शुल्क बढ़ाने के फैसले को डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने प्रतिभा का अपमान और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक करार दिया है, जबकि सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने इस फैसला का बचाव किया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने इस शुल्क को ऐसा अव्यवहारिक प्रयास बताया जो देश को उच्च कुशल श्रमिकों से दूर करेगा। उन्होंने कहा कि कई एच-1 बी वीजा धारक आखिरकार अमेरिकी नागरिक बनकर व्यवसाय शुरू करते हैं जो अच्छे वेतन वाली नौकरियां पैदा करते हैं। जब अन्य देश वैश्विक प्रतिभा को आकषिर्त कर रहे हैं तब अमेरिका को अपने कार्यबल को मजबूत कर आव्रजन नीति को आधुनिक बनाना चाहिए न कि बाधांए खड़ी करके अर्थव्यवस्था को कमजोर करना चाहिए।फांउडेशन फार इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज के खंडेराव कंद ने इस फैसले को बेहद निराशाजनक बताया। कैटों इंस्टीटयूट के डेविड जे बियर ने कहा कि भारतीय एच-1 बी पेशेवरों ने करो और सेवाओं के जरिए देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने इस फैसले को नकारात्मक सोच का परिणाम बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के सलाहकार एवं एशियाई अमेरिकी समुदाय के नेता और डेमोक्रेट पार्टी की नीतियों के प्रति झुकाव रखने वाले सांसद अजय भुटोरिया ने चेतावनी दी कि ट्रंप का यह कदम अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा क्षमता को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि यह कदम कुशल पेशेवरों को दूर भगाएगा जो सिलिकान वैली को शक्ति प्रदान करते हैं और अमेरिकी

अर्थव्यवस्था में अरबों डालर का योगदान करते हैं। इस बीच अमेरिकी वाणिज्य सचिव एच. लुटनिक ने इस फैसले का समथर्न करते हुए कहा कि अब कंपनियों को फैसला करना होगा कि क्या व्यक्ति इतना मूल्यवान है कि सरकार को हर साल एक लाख डालर का भुगतान किया जाए या फिर उन्हें घर भेज दिया जाए। उन्होंने कहा की सभी कंपनियां इससे सहमत हैं और यह ट्रंप प्रशासन की अमेरिका प्रथम नीति के तहत ही किया गया है।

बगराम एयरबेस को लेकर अफगानिस्तान को ट्रंप की धमकी-वापस नहीं किया तो बहुत बुरा होगा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस को लेकर एकबार फिर धमकी देते हुए कहा है कि अगर यह एयरबेस अमेरिका को वापस नहीं किया गया तो इसे नतीजे बहुत बुरे होंगे। हाल ही में अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान ट्रंप ने कहा था कि उनकी सरकार अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस को हासिल करने की कोशिश कर रही है।हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति की इन कोशिशों को चुनौती देते हुए अफगानिस्तान के मौजूदा तालिबान शासन की तरफ से कहा गया कि अफगान धरती ने विदेशी ताकतों को कभी स्वीकार नहीं किया।साल 2021 में अमेरिका ने अप्रत्याशित रूप से अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से रातोंरात वापस बुला लिया था जिसके बाद से वहां तालिबान का शासन है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के तालिबान शासन

को बगराम एयरबेस वापस नहीं करने पर बुरे नतीजे की धमकी दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अफगानिस्तान बगराम एयरबेस को उसके निर्माता यानी अमेरिका को वापस नहीं किया गया तो बहुत बुरा होगा। इससे पहले ब्रिटेन दौरे पर ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका बगराम एयरबेस को वापस पाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप का दावा है कि चीन के परमाणु हथियार बनाने वाले इलाके से यह बेस सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है इसलिए अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से बहुत अहम है। अफगानिस्तान का सबसे बड़ा सैन्य ठिकाना रहे बगराम एयरबेस का अमेरिका ने बीस साल तक इस्तेमाल किया। साल 2021 में अमेरिकी सेना ने अप्रत्याशित रूप से भारी अफरातफरी के बीच रातोंरात अफगानिस्तान से वापसी की थी। जिसके बाद काबुल एयरपोर्ट पर मची अफरातफरी और आत्मघाती हमले में 13 अमेरिकी सैनिकों समेत 170 लोग मारे गए थे। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान दो दशकों के बाद अफगानिस्तान में एकबार फिर तालिबान का शासन वापस लौटा। अमेरिका ने जिस अराजक तरीके से रातोंरात सारा साजो-सामान छोड़कर अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से वापस बुलाया, उसकी भारी किरकिरी हुई थी। अब ट्रंप भी अपने पूर्ववर्ती बाइडेन शासन के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहते हैं कि वे भी अपने कार्यकाल के दौरान अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को निकालने वाले थे लेकिन ताकत और गरिमा के साथ।

रूस के रुख की ईरान ने की सराहना

एजेंसी

तेहरान। ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर ने देश के खिलाफ इज़राइल की आक्रामक कार्रवाई का विरोध करने में संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) जैसे मंचों पर रूस के दृढ़ रुख की प्रशंसा की है। ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने तेहरान में रूसी ऊर्जा मंत्री सर्गेई त्सिविलेव के साथ एक बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। मौसवी ने कहा कि ईरान ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया है कि वह कभी युद्ध की शुरुआत करने वाला नहीं रहा है। उन्होंने ज़ोर दिया कि विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीति ही सबसे बेहतर रास्ता है। उन्होंने कहा, ईरान कूटनीति और बातचीत को समस्याओं का सबसे अच्छा समाधान मानता है। जनरल मौसवी ने याद दिलाया कि ईरान के दुश्मनों ने अक्सर बातचीत को धोखे के बहाने के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि दुश्मन ने बातचीत को विश्वासघात की आड़ में इस्तेमाल किया और ईरान के खिलाफ थोपा हुआ युद्ध शुरू कर दिया। मौसवी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह के कपट के बावजूद ईरान ने दिखा दिया है कि वह अपनी रक्षा करने में संकोच नहीं करेगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान की सशस्त्र सेनाओं ने अमेरिका और इजराइली शासन को मज़बूत और करारा जवाब दिया। गौरतलब है कि 13 जून को इज़राइल ने ईरान के ख़िलाफ़ आक्रामक कार्रवाई की जिसके बाद दोनों देशों के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध में ईरान के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों, परमाणु वैज्ञानिकों और नागरिकों सहित कम से कम 1,064 ईरानी मारे गए। इस बीच सैन्य मुद्दों से परे मौसवी ने ईरान और रूस के बीच सहयोग के व्यापक अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दोनों देशों की साझेदारी के लचीलेपन की ओर इशारा करते हुए कहा कि ईरान और रूस में पश्चिमी दबाव के बावजूद सहयोग विकसित करने की अपार क्षमताएं हैं।

ट्रम्प से मुलाकात में रूस पर और प्रतिबंध लगाने का आग्रह करेंगे: जेलेंस्की

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने सहयोगी देशों पर समय बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए घोषणा की है कि वह अगले हफ़्ते न्यूयॉर्क में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ भेंट में उनसे रूस पर और प्रतिबंध लगाने का आग्रह करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ज़ेलेंस्की ने यहां पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में कहा कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उनसे आमने-सामने की बातचीत करने या युद्धविराम पर सहमत होने से इनकार करते हैं तो उन्हें रूस के खिलाफ और प्रतिबंध लगाए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, अगर युद्ध जारी रहता है और शांति की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जाता है तो हम प्रतिबंधों की उम्मीद करते हैं। ट्रम्प ने कई बार रूस के ख़िलाफ़ कार्रवाई की धमकी दी है लेकिन अब तक वह ऐसा करने में विफल रहे हैं। पिछले हफ़्ते उन्होंने कहा था कि अमेरिका

बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है, लेकिन ऐसा तभी हो पाएगा जब उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सभी देश रूस से तेल खरीदना बंद करके और एक अन्य बड़े आयातक चीन पर टैरिफ लगाने पर सहमत हो जाएं। ट्रंप के करीबी सहयोगी यूरोपीय देशों हंगरी और स्लोवाकिया ने रूस के साथ ऊर्जा संबंध तोड़ने से इनकार कर दिया है। वे यूरोपीय संघ के अंतिम दो सदस्य हैं जो अभी भी द्रुज़्बा पाइपलाइन के ज़रिए रूसी तेल खरीद रहे हैं। यूक्रेन ने पिछले महीने इस पाइपलाइन पर बमबारी की थी जिस पर हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने नाराज़गी जताई थी। अपनी न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान ज़ेलेंस्की इस बात पर भी स्पष्टीकरण मांगेंगे कि शांति समझौते के तहत अमेरिका क्या सुरक्षा गारंटी देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्रंप की ब्रिटेन की राजकीय यात्रा के दौरान उनके समक्ष यह सवाल उठाया था। ज़ेलेंस्की ने कहा कि उनकी पत्नी ओलेना न्यूयॉर्क में मेलानिया ट्रंप से संभवतः मुलाकात करेंगी। वह रूस द्वारा अपहृत यूक्रेनी बच्चों की वापसी पर चर्चा करेंगी।

ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन रूस की ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाने के लिए लंबी दूरी के ड्रोनों का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। शनिवार तड़के ड्रोन ने एक हफ़्ते में दूसरी बार सारातोव तेल रिफ़ाइनरी पर हमला किया। उन्होंने यूरोप से यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मज़बूत करने और हथियारों की आपूर्ति बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा, इस बाबत एक मज़बूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की ज़रूरत है।

संसद कैंटीन की हालत देख कर सलाद खाना ही बंद कर दिया: विक्रमरत्ने

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंकाई संसद की कैंटीन का भोजन दूषित और गंदगी में बन रहा है और उसे ही सभी सांसद खा रहे हैं तो आम जन के भोजन के बारे में क्या ही कहा जा सकता है। संसद के स्पीकर डॉ. जगत विक्रमरत्ने ने खुलासा किया कि संसद की स्थापना के बाद से 40 वर्षों में किसी भी जन स्वास्थ्य निरीक्षक (पीएचआई) ने संसद की कैंटीन का निरीक्षण नहीं किया जिससे खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने खुलासा किया कि कैंटीन में भोजन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले मसाले मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए हैं। उन्होंने कहा, संसद सर्वोच्च संस्था है जहां देश के कानून बनाए जाते हैं। अगर ऐसी जगह का खाना गंदा हो और सांसद उसे खाकर बीमार पड़ जाएं, तो यह बहुत गंभीर स्थिति होगी। डॉ. विक्रमरत्ने ने कहा कि क्या पकाया जा रहा है। स्पीकर ने बताया कि कैंटीन का पहली बार अप्रैल में ही निरीक्षण किया गया था जब वह

कैंटीन के अंदर चूहे और तिलचट्टे देखे गए जबकि खाना पकाने के बर्तन टूटे, मुड़े और दागदार थे। रसोई की हालत देखकर मैंने संसद में सलाद खाना भी बंद कर दिया। संसद में सिर्फ़ खाने-पीने की चीज़ों के दाम बढ़ाना ही काफ़ी नहीं है। हमें इस बात की भी बारीकी से जांच करनी चाहिए कि वहां बत्तरामुल्ला के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी और पीएचआई की एक टीम के साथ कैंटीन गए थे। डॉ. विक्रमरत्ने ने कहा, जब मरम्मत शुरू हुई तो कुछ अधिकारी नाखुश थे और कुछ तो मज़ाक में मुझे 'मिस्टर पीएचआई' भी कहते थे, लेकिन मैं इन चुनौतियों को स्वीकार करता हूं।

दक्षिणी लेबनान में इज़रायली हवाई हमले में हिज़्बुल्लाह कार्यकर्ता ढेर

एजेंसी

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में एक नागरिक कार पर इज़रायली हवाई हमले में शनिवार को एक हिज़्बुल्लाह कार्यकर्ता मारा गया। लेबनानी अधिकारियों और सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक लेबनानी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि एक इज़रायली ड्रोन ने लेबनान के दक्षिणी सीमा क्षेत्र के पूर्वी क्षेत्र में खरदाली-मरजायून सड़क पर एक कार को निशाना बनाया, जिसमें काफ़र किला गाँव के एक व्यक्ति की मौत हो गई। लेबनान सेना की खुफिया एजेंसी के एक सूत्र ने बताया कि पीड़ित हसन शाहरूर नाम का एक हिज़्बुल्लाह कार्यकर्ता था। 27 नवंबर, 2024 से,अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से हिज़्बुल्लाह और इज़रायल के बीच एक युद्धविराम समझौता लागू है, जिससे गाजा पट्टी में युद्ध के बाद दोनों पक्षों के बीच शुरू हुए संघर्ष समाप्त हो गए हैं। समझौते के बावजूद इज़रायली सेना कभी-कभी लेबनान में हमले करती है, यह दावा करते हुए कि उनका उद्देश्य हिज़्बुल्लाह के 'खतरों' को खत्म करना है, जबकि लेबनानी सीमा क्षेत्र में पाँच प्रमुख ठिकानों पर अपनी सेना को तैनात रखती है।

साइबर हमले के कारण यूरोप के कई प्रमुख हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित

एजेंसी

लंदन। चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम प्रदान करने वाली एक कंपनी पर हुए साइबर हमले ने यूरोप के कई प्रमुख हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित कर दिया है। इससे यूरोप के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे लंदन के हीथ्रो समेत ब्रुसेल्स, बर्लिन ब्रैंडेनबर्ग, डबलिन और कार्क हवाईअडडों पर उड़ानो में देरी अथवा उन्हें रद्द किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के हवाई अड्डों पर कई एयरलाइनों के लिए सिस्टम उपलब्ध कराने वाली कंपनी कोलिन्स एयरोस्पेस को एक तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा जिससे कई बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानें प्रभावित हुई। इस हमले का सुबह तक यूरोप के कई हवाईअड्डों पर असर देखा गया। प्रभावित हवाई अड्डों में हीथ्रो, ब्रुसेल्स, बर्लिन ब्रैंडेनबर्ग, डबलिन और कार्क हवाईअडडे शामिल हैं। इसके कारण प्रस्थान करने वाले यात्रियों को देरी हो रही है और यात्रियों को मैनुअली चेक इन कराया जा रहा है। हीथ्रो हवाई अड्डे ने उड़ानों में देरी की चेतावनी जारी की है। कोलिन्स एयरोस्पेस की मूल कंपनी आरटीएक्स ने बिना हवाई अड्डों का नाम लिए कहा कि उसे चुनिंदा हवाई अड्डों पर अपने सॉफ़्टवेयर में साइबर संबंधी व्यवधान के बारे में पता चला है। आरटीएक्स ने एक ई-मेल के जरिए जारी एक बयान में कहा कि इसका असर इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक चेक-इन और सामान छोड़ने तक सीमित है और इसे मैन्युअल चेक-इन से कम किया जा सकता है। बयान में यह भी कहा गया है कि वे इस समस्या को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। इस बीच ब्रुसेल्स हवाई अड्डे ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि हमले के कारण स्वचालित प्रणालियां निष्क्रिय हो गई हैं और केवल मैन्युअल चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया ही संभव है। बयान के मुताबिक यह समस्या से आरंभ हुई थी। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि अब तक 10 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं और सभी प्रस्थान उड़ानों में औसतन एक घंटे की देरी हुई है। हालांकि डेल्टा एयरलाइंस पर इसका न्यूनतम प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। डेल्टा एयर लाइंस ने कहा कि उसे तीन प्रभावित हवाई अड्डों से उड़ान भरने वाली उड़ानों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ने की उम्मीद है और उसने इस बाधा को कम करने के लिए एक समाधान लागू किया है। बर्लिन हवाई अड्डे ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि चेक-इन के लिए प्रतीक्षा समय लंबा हो गया है और वह एक त्वरित समाधान पर काम कर रहा है। एक प्रवक्ता ने कहा कि इससे जर्मनी का सबसे बड़ा फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डा प्रभावित नहीं हुआ है। ज्यूरिख हवाई अड्डे के संचालन नियंत्रण केंद्र के एक अधिकारी ने भी कहा कि उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। ईज़ीजेट सामान्य रूप से परिचालन कर रही है। आयरलैंड के डबलिन और कार्क हवाईअडडों पर भी उड़ानों के परिचालन में देरी की खबरे हैं। यूरोप की सबसे बड़ी एयरलाइनों में से एक ईज़ीजेट ने कहा कि वह वर्तमान समय में सामान्य रूप से परिचालन कर रही है और उसे उम्मीद है कि इस समस्या का दिन के बाकी समय में उसकी उड़ानों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उधर पोलैंड के उपप्रधानमंत्री और डिजिटल मामलों के मंत्री क्रिज़िस्तोफ़ गॉकोव्स्की ने कहा कि देश के हवाई अड्डों को किसी भी खतरे का कोई संकेत नहीं मिला है। ब्रिटिश परिवहन मंत्री हेइडी अलेक्जेंडर ने कहा कि उन्हें स्थिति पर नियमित अपडेट मिल रहे हैं। इस बीच विशेषज्ञों ने इसे काफी शातिर हमला करार देते हुए चेतावनी दी है कि यह हाइब्रिड युद्ध का हिस्सा है। यूरोपीय साइबर सिक्योरिटी एजेंसिया और आरटीएक्स मामले की जांच कर रहीं हैं।

सीतारमण ने तमिलनाडु के माचिस उद्योग को बनाए रखने के लिए महिला श्रमिकों की सराहना की

एजेंसी

कोविलपट्टी (तमिलनाडु)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु में माचिस उद्योग में कार्यरत महिला श्रमिकों के प्रयासों की सराहना की। सीतारमण ने कहा कि उनके अथक योगदान ने क्षेत्र में इस क्षेत्र को जीवन दिया है। वित्त मंत्री ने कोविलपट्टी में तमिलनाडु माचिस उद्योग के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र का नेतृत्व मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा किया जाता रहा है। सीतारमण ने क्षेत्र की महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर कहा, इस सूखाग्रस्त भूमि पर जहां न तो पर्याप्त वर्षा होती है और न ही जल संकट से राहत मिलती है, लेकिन गर्व की बात है हर उस महिला के लिए, जिसने अपने घरों की रक्षा और अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के साथ-साथ इस व्यापार को भी आगे बढ़ाया। सीतारमण ने कहा कि एक छोटे से उद्योग के रूप में शुरू हुए इस उद्योग को उन्होंने एक विशाल उद्योग में बदल दिया। उन्होंने माचिस उद्योग के हितधारकों से आग्रह किया कि वे इस बारे में एक विस्तृत योजना प्रस्तुत करें कि वे 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के उद्योग, व्यापार और अर्थव्यवस्था में कैसे योगदान दे सकते हैं।

चावल-गेहूं मजबूत, खाद्य तेलों-दालों में घट-बढ़, चीनी नरम

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव में तेजी रही। गेहूं की कीमत भी बढ़ गयी। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया, जबकि चीनी में मंदी रही। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 83 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,842.74 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं चार रुपये महंगा होकर 2,863.02 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। वहीं, आटे की कीमत 11 रुपये घट गयी और सप्ताहांत पर यह 3,323.62 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। बीते सप्ताह सरसों तेल की औसत कीमत 41 रुपये प्रति क्विंटल गिरी। मूंगफली तेल में 105 रुपये और पाम ऑयल में 35 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गयी। सूरजमखी तेल 41 रुपये और सोया तेल 38 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति के भाव में टिकाव रहा। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत में 17 रुपये की साप्ताहिक तेजी दर्ज की गयी। चना दाल की कीमत 46 रुपये और मूंग दाल की 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वहीं, तुअर दाल 12 रुपये और मसूर दाल नौ रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में गुड़ के औसत भाव करीब 35 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। वहीं चीनी में 13 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

जीएसटी में कमी की वजह से, बाजारों में रौनक और भी ज्यादा रहने वाली है: मोदी

भावनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मैं ऐसे समय में भावनगर आया हूं, जब नवरात्र का पावन पर्व शुरू होने वाला है। इस बार जीएसटी में कमी की वजह से, बाजारों में रौनक और भी ज्यादा रहने वाली है और ये उत्सव के इसी माहौल में आज हम समुद्र से समृद्धि का महा उत्सव मना रहे हैं। श्री मोदी ने भावनगर में एक भव्य रोड शो किया और 34,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भावनगर के भाइयों, मुझे माफ करना, मुझे हिन्दी में इसलिए बोलना पड़ रहा है, क्योंकि देशभर के लोग इसमें जुड़े हुए हैं। देशभर के लाखों लोग जब कार्यक्रम में जुड़े हुए हों, तो आपसे क्षमा मांगकर मुझे हिन्दी में ही बात करनी पडेगी। उन्होंने कहा कि अपने भावनगर ने धूम मचा दी है, हाँ अभी करंट आया। में यहाँ देख रहा हूं कि पंडाल के बाहर मानव समुद्र दिख रहा है सब। इतनी बड़ी संख्या में आप सब आशीर्वाद देने आए, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। ये कार्यक्रम तो भावनगर में हो रहा है, लेकिन ये कार्यक्रम पूरे हिन्दुस्तान का है। आज भावनगर निमित्त है और पूरे भारत में समुद्र से समृद्धि की ओर जाने की हमारी दिशा क्या है, उसके लिए आज इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का केंद्र भावनगर चुना गया है। गुजरात के लोगों को, भावनगर के लोगों को बहुत-बहुत बधाई।

शीर्ष 10 की सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,18,328 करोड़ रुपये बढ़ा

मुंबई। शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी से बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल सात कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 1,18,328 करोड़ रुपये बढ़ गया जबकि अन्य तीन के एमकैप में 22,095 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गयी। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 35,953 करोड़ रुपये बढ़ा। इसके शेयर में 4.73 प्रतिशत की साप्ताहिक वृद्धि दर्ज की गयी थी। भारती एयरटेल का एमकैप 33,215 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 17,389 करोड़ रुपये और टीसीएस का 12,952 करोड़ रुपये बढ़ गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 12,460 करोड़ रुपये, इंफोसिस का 6,128 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का 230 करोड़ रुपये बढ़ा। आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 10,708 करोड़ रुपये घट गया। बजाज फाइनेंस के एमकैप में 6,347 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनीलिवर में 5,040 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गयी।

जीएसटी सुधार लागू होने से पहले पीयूष गोयल की इंडस्ट्री से अपील, टैक्स कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को दें

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधार लागू होने से पहले उद्योगों से अपील की है कि टैक्स कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को दें।

वस्तु एवं सेव कर (जीएसटी) का नया फ्रेमवर्क 22 सितंबर से लागू हो रहा है। इसके तहत मौजूदा टैक्स स्लैब की संख्या चार - 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत से घटकर दो - 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रह जाएगी। इसके साथ ही सरकार ने कई चीजों को टैक्स काफी कम किया है, जिसका फायदा भी इसी दिन से आम लोगों को मिलना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा सरकार ने सिन और लग्जरी गुड्स पर 40 प्रतिशत का टैक्स निर्धारित किया है। केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा, कृपया सुनिश्चित करें कि टैक्स कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को मिले। इससे उद्योग

जगत को भी लाभ होगा। गोयल ने आगे कहा कि सरकार व्यापार सुगमता और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए मिशन मोड में है। उन्होंने कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों का जिक्र किया, जिनमें नई लॉजिस्टिक्स नीति लागू करना, नए औद्योगिक शहरों का विकास, छोटे-मोटे विवादों को अपराधमुक्त करना और उद्योग पर अनुपालन का बोझ कम करना शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऑटोमोबाइल जैसे कुछ क्षेत्रों ने पहले ही लाभ ग्राहकों को पहुंचाना शुरू कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि आज दुनिया मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत करके भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना चाहती है। इस महीने की शुरुआत में, केंद्र ने व्यवसायों को कारों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं सहित वस्तुओं की अस्थायी मूल्य सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था, जिससे जीएसटी दर सुधारों के तहत कीमतों में आई कमी को दर्शाया जा सके। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने जीएसटी परिषद की बैठक में घोषित दरों में कटौती के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उद्योग संघों और कई मंत्रालयों के साथ बैठकें की थीं। उद्योग टैक्स कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए आम सहमति पर पहुंच गए हैं।

पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए सोमवार को अमेरिका के दौरे पर जाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार 22 सितंबर को व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका का दौरा करेंगे। उनके नेतृत्व में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी पक्ष के साथ बैठक के लिए दौरे पर जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी पक्ष के साथ बैठक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेगा।

वाणिज्य मंत्री के साथ मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और अन्य अधिकारी भी दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे। गोयल अपनी इस यात्रा के दौरान अमेरिकी टीम से मुलाकात कर व्यापार समझौते को पूरा करने की कोशिश करेंगे।

मंत्रालय के अनुसार प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाना है। इससे पहले अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों का भी एक दल 16 सितंबर को भारत आया था। इस दौरान व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक चर्चा हुई थी और इस संबंध में प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया था।उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का ये दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब अमेरिका ने एच-1बी वीजा की फीस को बढ़ाने की घोषणा की है।

मोदी सरकार में समुद्री व अंतर्देशीय जलमार्ग संपर्क में आया अभूतपूर्व परिवर्तन: सोनोवाल

एजेंसी

भावनगर। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने समुद्री और अंतर्देशीय जलमार्ग संपर्क में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने गुजरात के भावनगर में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर की बर्फ से ढके पहाड़ों से लेकर पूर्वोत्तर के हरे-भरे परिदृश्य तक, गुजरात के जीवंत तटों से लेकर अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप की सुदूर दृश्यों तक, देश का हर कोना जल आधारित परिवहन के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ रहा है। सोनोवाल ने कहा कि आज का दिन भारत के समुद्री क्षेत्र के लिए वास्तव में ऐतिहासिक है। 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ-साथ भारत को वैश्विक समुद्री महाशक्ति बनाने के संकल्प के साथ हम खड़े हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना से गूंज रहा है और साझा सपनों, साझा

प्रयासों तथा विकास की साझा प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। पिछले ग्यारह वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने अनेक दूरदर्शी योजनाओं, साहसिक सुधारों, जनकेंद्रित कार्यक्रमों और परिवर्तनकारी नीतियों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा को नई दिशा प्रदान की है। 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 7,800 करोड़ रुपये से अधिक की प्रमुख समुद्री परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्रालय के 66,000 करोड़ रुपये मूल्य के 21 समझौता ज्ञापनों का भी वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। यह कार्यक्रम भारत को समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अमूल ने 700 उत्पादों के दाम घटाये, 22 सितंबर से घी 40 रुपये प्रति लीटर सस्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाली गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने घी, बटर आइसक्रीम, बेकरी और फ्रोजन स्नैक्स सहित 700 से अधिक उत्पाद पैक की खुदरा कीमतों में कटौती का ऐलान किया है। इस कटौती के बाद अमूल का घी 40 रुपये प्रति लीटर तक सस्ता हो जाएगा। नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। जीसीएमएमएफ ने एक बयान में बताया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा, यह संशोधन मक्खन, घी, यूएचटी दूध, आइसक्रीम, पनीर, चॉकलेट, बेकरी रेंज, फ्रोजन डेयरी और आलू स्नैक्स, कंडेंस्ड मिल्क, पीनट स्प्रेड, माल्ट-आधारित पेय आदि जैसी उत्पाद श्रेणियों में किया गया है। कंपनी के मुताबिक मक्खन (100 ग्राम) का एमआरपी 62 रुपये से घटाकर अब 58 रुपये कर दिया गया है। घी की कीमतें अब 40 रुपये घटाकर 610 रुपये प्रति लीटर कर दी गई हैं। अमूल प्रोसेस्ड चीज ब्लॉक (1 किलो) का एमआरपी 30 रुपये घटाकर 545 रुपये प्रति किलो कर दिया गया है। फ्रोजन पनीर (200 ग्राम) का नया एमआरपी 22 सितंबर से 95 रुपये होगा, जो अभी 99 रुपये है। इससे पहले मदर डेयरी ने भी अपने उत्पादों की कीमतों में कटौती की घोषणा की थी।36 लाख किसानों के स्वामित्व वाली जीसीएमएमएफ ने कहा, अमूल का

मानना है कि कीमतों में कटौती से डेयरी उत्पादों, खासकर आइसक्रीम, पनीर और मक्खन, की व्यापक खपत बढ़ेगी, क्योंकि भारत में प्रति व्यक्ति खपत अभी भी बहुत कम है, जिससे विकास के बड़े अवसर पैदा होंगे। कंपनी ने कहा कि उसके डेयरी उत्पादों की मांग बढ़ेगी।

जीएसटी की नई दरें सोमवार से लागू होंगी, अबतक इन कंपनियों ने घटाये दाम

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें नवरात्रि के पहले दिन सोमवार को यानी 22 सितंबर से लागू होंगी। ग्राहकों को जीएसटी सुधारों का फायदा देने के लिए कंपनियां लगातार अपने-अपने उत्पादों की कीमतें घटा रही हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि अब तक किन-किन कंपनियों ने जीएसटी सुधारों का लाभ ग्राहकों को देने का ऐलान किया है।

रसोई के सामान से लेकर दवाइयां, गाड़ियां तक होंगी सस्ती

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद रसोई में इस्तेमाल होने वाले सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां और उपकरणों और वाहन तक लगभग 375 वस्तुएं 22 सितंबर से सस्ती हो जाएंगी। नवरात्रि के पहले दिन से लागू होने वाली जीएसटी दरों में मुख्य रूप से अब पांच और 18 फीसदी की दो कैटेगरी होंगी। हालांकि, लग्जरी और

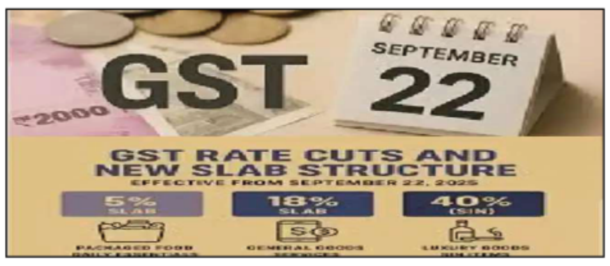

विलासितापूर्ण वाली वस्तुओं पर अलग से 40 फीसदी कर लगाया जाएगा। तंबाकू और संबंधित उत्पाद 28 फीसदी से अधिक उपकर की श्रेणी में बने रहेंगे। सरकार का निर्देश है कि नई दरें लागू होने के बाद व्यापार और उद्योग जगत इसका पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएं।

टीवी के दाम 2,500 से 85 हजार रुपये तक घटेंगे

जीएसटी दरों में कटौती के बाद टेलीविजन (टीवी) निर्माता कीमतों में 2,500 रुपये से 85 हजार रुपये तक की कमी करने जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं को जीएसटी में कटौती का पूरा लाभ मिल सकेगा। साथ ही टीवी विनिर्माताओं को सोमवार से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री की उम्मीद है। टेलीविजन और एसी, वॉशिंग मशीन जैसे कई उत्पादों की कीमतें कम हो गई हैं। 32 इंच से अधिक स्क्रीन साइज वाले टीवी सेट पर जीएसटी शुल्क मौजूदा 28 फीसदी से घटकर 18 फीसदी हो जाएगा।

अमूल ने दूध समेत अपने 700 उत्पादों के दाम घटाये

अमूल कंपनी ने 700 से ज्यादा उत्पादों की कीमतों में कटौती की है। इनमें घी, मक्खन, बेकरी एवं अन्य उत्पाद शामिल हैं। 610 रुपये किलो वाला घी अब 40 रुपये सस्ता होगा। 100 ग्राम मक्खन 62 रुपये के बजाय 58 रुपये व 200 ग्राम पनीर 99 रुपये के बजाय 95 रुपये में मिलेगा। टेट्रा पैकेज्ड दूध दो से तीन रुपये सस्ता होगा। इससे पूर्व मदर डेयरी भी दाम में जीएसटी कटौती की घोषणा कर चुकी है।

केंद्र ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर जीएसटी शिकायत निवारण की सुविधा शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर एक समर्पित जीएसटी शिकायत श्रेणी शुरू की है, ताकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 सुधारों से संबंधित प्रश्नों और शिकायतों का समाधान किया जा सके। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन टोल-फ्री नंबर 1915 पर या ऑनलाइन 16 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में उपलब्ध है। यह देशभर के उपभोक्ताओं के लिए मुकदमे-पूर्व चरण में शिकायत दर्ज कराने के लिए एक एकल पूर्व-मुकदमा केंद्र के रूप में कार्य करती है। उपभोक्ता एकीकृत शिकायत निवारण तंत्र पोर्टल के जरिए भी जीएसटी से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, जो ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं, ई-कॉमर्स और फास्ट-मूविंग उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों को कवर करता है। जीएसटी सुधार 22 सितंबर से प्रभावी होंगे। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि उपभोक्ता एकीकृत शिकायत निवारण तंत्र पोर्टल के माध्यम से भी जीएसटी से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, जो ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, टिकाऊ उपभोक्ता सामान, ई-कॉमर्स और दैनिक उपयोग की उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों को कवर करता है। इस श्रेणी में ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी और अन्य प्रमुख उप-श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें जीएसटी संबंधी शिकायतें दर्ज की जाएंगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) को केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक के दौरान अनुमोदित अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार 2025 के साथ संरेखित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। यह प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2025 के संबोधन में व्यक्त किए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है।

केंद्र सरकार कर्नाटक से मूंग, काला चना और सूरजमुखी खरीदेगी : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली/बेंगलुरु। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत केंद्र सरकार कर्नाटक से मूंग, उड़द, सूरजमुखी, मूंगफली और सोयाबीन की खरीद करेगी, जिससे राज्य के कृषक समुदाय को बहुत लाभ होगा। जोशी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत 2025-26 खरीफ सीजन के दौरान कर्नाटक में उगाई गई मूंग, उड़द, सूरजमुखी, मूंगफली और सोयाबीन की खरीद को मंजूरी देने का अनुरोध किया था। केंद्र सरकार ने अब इस

अनुरोध को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने अपने एक्स पोस्ट में चौहान का एक पत्र साझा करते हुए कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि केंद्र सरकार ने अब इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। उन?होंने कहा कि पीएसएस के तहत केंद्र सरकार कर्नाटक से 38,000 मीट्रिक टन मूंग, 60,810 मीट्रिक टन उड़द, 15,650 मीट्रिक टन सूरजमुखी, 61,148 मीट्रिक टन मूंगफली और 1,15,000 मीट्रिक टन सोयाबीन की खरीद करेगी। जोशी ने कहा कि यह निर्णय हमारे किसानों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मैं राज्य सरकार से आग्रह करता हूं कि वह तुरंत ज़िलेवार ख़रीद केंद्र स्थापित करे और पूरे राज्य में खरीद प्रक्रिया शुरू करे। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को उनके समय पर दिए गए सहयोग और किसान-हितैषी फैसले के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं, जिससे कर्नाटक के कृषक समुदाय को बहुत लाभ होगा।

एच-1 बी वीजा शुल्क वृद्धि से अमेरिकी नवाचार पर पड़ेगा असर, भारत के स्टार्टअप को मिलेगा लाभ : अमिताभ कांत

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वार्षिक एच-1 बी वीजा शुल्क को 1,00,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 90 लाख रुपये) तक बढ़ाने का निर्णय अमेरिकी नवाचार पर असर डालेगा। यह भारत में नए लैब, पेटेंट और स्टार्टअप की लहर को बढ़ावा देगा, जिससे बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहर उभरेंगे। अमिताभ कांत ने एक्स पोस्ट में कहा कि वैश्विक प्रतिभाओं के लिए दरवाजे बंद करके, अमेरिका प्रयोगशालाओं, पेटेंटों, नवाचार और स्टार्टअप्स की अगली लहर को बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और गुड़गांव की ओर धकेल रहा है। भारत के बेहतरीन डॉक्टरों, इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, नवप्रवर्तकों के पास विकसित भारत की दिशा में देश के विकास और प्रगति में योगदान करने का अवसर है। अमेरिका का

नुकसान भारत के लिए लाभ होगा। इस बीच इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मोहनदास पई ने कहा कि एच-1बी वीजा आवेदकों पर एक लाख अमेरिकी डॉलर का भारी वार्षिक शुल्क लगाने के अमेरिकी फैसले से कंपनियों के नए आवेदन कम होंगे। आने वाले महीनों में अमेरिका में आउटसोर्सिंग बढ़ सकती है। वहीं, अमेरिका के संघीय आंकड़ों के अनुसार टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 2025 तक 5,000 से अधिक स्वीकृत एच-1बी वीजा के साथ इस कार्यक्रम की दूसरी सबसे बड़ी लाभार्थी है। इस लिहाज से पहले स्थान पर अमेजन है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं (यूएससीआईएस) के अनुसार जून, 2025 तक अमेजन के 10,044 कर्मचारी एच-1बी वीजा का उपयोग कर रहे थे, जबकि दूसरे स्थान पर 5,505 स्वीकृत एच-1बी वीजा के साथ टीसीएस रही।

रेलयात्रियों को अब एक लीटर 'रेल नीर' 14 रुपये में मिलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे बोर्ड ने यात्रियों को राहत देते हुए बोतलबंद पेयजल 'रेल नीर' और अन्य शॉर्टलिस्टेड ब्रांडों की अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) घटाने का निर्णय

लिया है। रेलवे मंत्रालय के जारी वाणिज्यिक परिपत्र के अनुसार, एक लीटर वाली पानी की बोतल की कीमत अब 15 से घटाकर 14 रुपये और आधा लीटर वाली बोतल की कीमत 10 रुपये से घटाकर 9 रुपये कर दी गई है। यह संशोधित दरें न केवल 'रेल नीर' पर बल्कि रेलवे स्टेशन परिसर और ट्रेनों में उपलब्ध अन्य शॉर्टलिस्टेड ब्रांडों की पैकेज्ड वाटर बोतलों पर भी लागू होंगी। नई कीमतें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे और आईआरसीटीसी को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए हैं।

ट्रंप की एच1बी वीज़ा घोषणा के बाद भारत-अमेरिका हवाई टिकटों की कीमतों में भारी वृद्धि

एजेंसी

हैदराबाद/नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वीज़ा शुल्क में वृद्धि और कंपनियों द्वारा 24 घंटे के भीतर अमेरिका में रहने की समय-सीमा तय करने से प्रवासी भारतीयों में हड़कंप मच गया। हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु और न्यूयॉर्क के हवाई टिकटों की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं। ट्रंप की घोषणा के बारे में जानने के बाद जो लोग अमेरिका जा रहे थे, वे विमान से उतर गए। एच1बी वीज़ा शुल्क में वृद्धि, हवाई किराए में उछाल- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच1बी वीज़ा शुल्क को एक लाख डॉलर तक बढ़ाने की घोषणा ने प्रवासी भारतीयों के जीवन को उथल-पुथल कर दिया। नए शुल्क 21 सितंबर से लागू होंगे। वहां की टेक कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों को साफ़ कर दिया है कि उन्हें तब तक अमेरिका पहुंच जाना चाहिए। इसी के साथ प्रवासी भारतीय समय सीमा से पहले अमेरिका जाने की जल्दी में हैं। नतीजतन, हवाई टिकटों की मांग अचानक बढ़ गई है। कीमतें दोगुनी हो गई हैं। राष्ट्रीय मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि विदेश जाने के लिए अमेरिका से उड़ान भरने वाले कई प्रवासी भारतीय ट्रंप की घोषणा के बारे में जानने के बाद विमान से उतर गए हैं। ट्रंप की घोषणा के अनुसार प्रवासी भारतीयों को 21 सितंबर की रात 12:01 बजे तक अमेरिका पहुंचना होगा। अन्यथा विदेशी कर्मचारियों को काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही वे जिन कंपनियों के लिए काम करते हैं, वे लाखों डॉलर का भुगतान करें। इसके साथ ही अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट और जेपी मॉर्गन जैसी कंपनियों ने एच-1बी वीजा धारकों को अमेरिका न छोड़ने की चेतावनी दी है। उन्होंने विदेश में रहने वालों को तुरंत लौटने का आदेश दिया है। ऐसे में दशहरा उत्सव के लिए भारत आए प्रवासी भारतीय और व्यावसायिक व अवकाश यात्राओं पर विदेश गए लोग अचानक मुश्किल में पड़ गए। अमेरिकी इमिग्रेशन वकील साइरस मेहता ने एक टेलीविजन चैनल पर कहा, जो लोग 21 सितंबर की रात 12¬01 बजे तक अमेरिका नहीं पहुँच पाए, वे सभी मुश्किल में हैं। जो लोग वर्तमान में भारत में हैं, वे इस समय सीमा से चूक गए हैं। ट्रंप की घोषणा के बाद दिल्ली-न्यूयॉर्क हवाई टिकटों की कीमत लगभग दोगुनी होकर 80,000 रुपये हो गई। अमेरिकी हवाई अड्डों पर भी अफरा-तफरी चरम पर पहुंच गई। कुछ नेटिज़न्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि कई लोग जो अपनी सीटों पर बैठे थे और यात्रा के लिए तैयार थे, वे तुरंत विमान से उतर गए। कुछ अन्य लोगों ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की कि दुबई में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। नई दिल्ली से न्यूयॉर्क शहर की उड़ानें वर्तमान में 4,500 की हैं। वे सभी नए #1क्कवीज़ा नियमों को लेकर चिंतित है। इस दौरान, विदेशों में काम कर रहे कई भारतीय अगले सप्ताह शुरू होने वाली दुर्गा पूजा के लिए घर लौट रहे थे। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट जैसी शीर्ष द्बञ्ज कंपनियों ने अपने #1क्कवीज़ा धारकों को अमेरिका न छोड़ने की चेतावनी दी है। जो लोग वर्तमान में विदेश में हैं, उनसे तुरंत अमेरिका लौटने का अनुरोध किया गया है। सोशल मीडिया पर भारतीय यात्रियों द्वारा अपनी उड़ान के बीच में ही अमेरिकी हवाई अड्डों से जाने की खबरों की बाढ़ आ गई। उदाहरण के लिए, सैन फ्रांसिस्को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कई भारतीय यात्री विमान से उतरने पर अड़े रहे, जिससे एमिरेट्स का एक विमान घंटों देरी से उड़ान भर पाया। सोशल मीडिया एक यात्री ने एक्स पर लिखा, अमेरिकी हवाई अड्डे पर पूरी तरह से अफ़रा-तफ़री मच गई... खबर फैलते ही कई एच-1बी वीज़ा धारकों ने उड़ान भरने से इनकार कर दिया। ट्रम्प का नया नियम 21 सितंबर को रात 12:00 बजे पूर्वी मानक समय (भारत में सुबह 9:30 बजे भारतीय मानक समय) से लागू होने वाला है।

'दिमाग खराब हो गया था...' सुपरस्टार संग इंटीमेट सीन शूट कर खूब रोई थी 900 करोड़ी फिल्म की

तृप्ति डिमरी

एक बॉलीवुड एक्ट्रेस को साल 2023 में आई एक ब्लॉकबस्टर फिल्म से बड़ी पहचान हासिल हुई थी. उन्होंने फिल्म में एक सुपरस्टार के साथ इंटीमेट सीन दिए थे. इसे लेकर उनकी खूब चर्चा हुई थी. हालांकि एक्ट्रेस को लेकर लोगों ने काफी भला बुरा भी कहा था. लोगों की बातों से उन्हें बड़ा झटका लगा था और एक्ट्रेस कमरे में खुद को बंद करके रोती रहती थीं. चलिए जानते हैं कि ये एक्ट्रेस आखिर कौन हैं ?

ये एक्ट्रेस है साल 2017 में हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाली तृप्ति डिमरी. तृप्ति ने अपना करियर साल 2017 में फिल्म 'पोस्टर बॉयज' के जरिए शुरू किया था. हालांकि तृप्ति को बॉलीवुड में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'एनिमल' से पहचान मिली थी. इस पिक्चर ने 900 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करके तहलका मचा दया था.

रणबीर संग दिए थे इंटीमेट सीन

दिसंबर 2023 में रिलीज हुई एनिमल में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना लीड रोल में थे. इसमें रश्मिका ने रणबीर की पत्नी गीतांजलि का किरदार निभाया था. वहीं तृप्ति डिमरी फिल्म में रणबीर की गर्लफ्रेंड जोया रियाज के रोल में नजर आई थीं. इस दौरान रणबीर

एक सीन पर हुआ पछतावा!

और तृप्ति के बीच जमकर इंटीमेट सीन फिल्माए गए थे.

खुद को कमरे में बंद करके रोने लगी थीं तृप्ति

एनिमल ने रिलीज होते से ही बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे. पहले ही दिन फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था. सभी कलाकारों के काम की काफी तारीफ हुई थी और रणबीर के तृप्ति संग इंटीमेट सीन के भी खूब चर्चे हुए. हालांकि इसे लेकर तृप्ति को जमकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था. उन्हें अपने इस तरह के सीन को लेकर लोगों ने काफी भला बुरा कहा था. एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो खुद को कमरे में बंदक करके रोती थीं. उन्होंने आगे कहा था, मैं बहुत रोती थी. दिमाग खराब हो गया था कि लोग क्या लिख रहे हैं. कुछ कमेंट्स तो बहुत ही ज्यादा गंदे थे.

एनिमल ने छापे थे 900 करोड़ से ज्यादा

एनिमल को संदीप रेड्डी वांगा ने डायरेक्ट किया था. फिल्म पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि इसने बजट से 9 गुना ज्यादा कमाई की थी. एनिमल ने दुनियाभर में 915 करोड़ रुपये की कमाई की थी और ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हुई.

1000 करोड़ी फिल्म से धोया हाथ, अब King से बनेगी बात, शाहरुख संग 6वीं फिल्म को तैयार दीपिका पादुकोण

एक और ब्लॉकबस्टर की ओर...

बॉलीवुड की फिल्मों में पिछले कुछ सालों में दीपिका पादुकोण का जलवा रहा है. उनकी फिल्में सबसे ज्यादा ब्लॉकबस्टर साबित हुई हैं. साथ ही एक्ट्रेस के अभिनय की भी बहुत तारीफ हुई है. साल 2024 में दीपिका ने पैन इंडिया फिल्म कल्कि में लीड एक्ट्रेस का रोल प्ले किया था. इस फिल्म में भले ही उनके किरदार की लेंथ बहुत ज्यादा नहीं थी लेकिन दूसरे पार्ट में उनका रोल काफी अहम होने वाला था. मगर सबकुछ ठीक नहीं रहा और अंत में दीपिका को इस फिल्म से अपना हाथ धोना पड़ा. दीपिका की कल्कि फिल्म से एक्जिट बड़ी ड्रामैटिक रही. इस फिल्म से बाहर निकलने के कुछ समय के अंदर ही दीपिका ने शाहरुख खान संग किंग फिल्म की शूटिंग की अनाउंसमेंट कर दी है. एक बार फिर से वे इंडस्ट्री में अपने लकी चार्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं.

शाहरुख के नाम दीपिका का इमोशनल नोट

पिछले कुछ समय से कल्कि के मेकर्स की ओर से जैसे पोस्ट्स किए गए उससे ये साफ नजर आ रहा था कि दीपिका के साथ उनके टर्म्स एक ट्रैक पर आते नजर नहीं आ रहे थे. इसका नुकसान ये हुआ कि दीपिका के हाथ से एक बड़ी फिल्म छूट गई और कल्कि 2898 एडी ने अपनी लीड एक्ट्रेस को गंवा दिया. अभी इस बात को कन्फर्म हुए कुछ समय ही हुआ था कि एक्ट्रेस ने एक और बड़ी अनाउंसमेंट कर दी और अपने फैंस के चेहरे पर फिर से मुस्कान ला दी. साल 2025 की शुरुआत से ही इस बात को लेकर चर्चा थी कि शाहरुख खान और सुहाना की फिल्म में दीपिका पादुकोण भी होंगी. अब खुद दीपिका ने इस बात की कन्फर्मेशन दे दी है और बता दिया है कि वे एक बार फिर से बॉलीवुड के किंग के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं.

दीपिका पादुकोण ने क्या कहा ?

दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की जिसमें शाहरुख खान उनका हाथ थामे नजर आ रहे हैं. इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा– 18 साल पहले ओम शांति ओम फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने मुझे ये सिखाया था कि फिल्म की सक्सेस से ज्यादा जरूरी होता है एक फिल्म को बनाने का और उस फिल्म में लोगों के साथ काम करने का एक्सपीरियंस. मैं भी इस बात से काफी इत्तेफाक रखती हूं और इस बात को अपने जीवन में उतारती भी हूं. और यही कारण है कि हम एक बार फिर से वापस आए हैं शायद अपनी 6वीं फिल्म साथ में बना रहे हैं.

जिस फिल्म ने चमकाई जैकी श्रॉफ की किस्मत, वो पहले संजय दत्त को हुई थी ऑफर

संजू की ना से स्टार बने जैकी!

बॉलीवुड सुपरस्टार संजय दत्त ने अपने 44 साल के करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं. संजय अब भी फिल्मों में काम कर रहे हैं. ढेरों फिल्मों में लीड रोल निभाने के अलावा संजय फिल्मों में विलेन के किरदार में भी नजर आते हैं. वैसे आपको बता दें कि संजू ने अपने करियर में कई बड़ी फिल्मों को रिजेक्ट भी किया है.

इनमें से एक फिल्म ऐसी है जिसने जैकी श्रॉफ को बॉलीवुड में बतौर स्टार स्थापित कर दिया था.संजय दत्त ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1981 की फिल्म 'रॉकी' से की थी. जबकि 1982 में जैकी श्रॉफ ने भी बॉलीवुड में अपने कदम रख दिए थे. हालांकि बतौर लीड एक्टर उनकी शुरुआत 1983 में हुई थी. वो पहली ही फिल्म से छा गए थे. हालांकि इसके लिए जैकी मेकर्स की पहली पसंद नहीं थे. पहले मेकर्स ने संजू को अप्रोच किया था.

संजू ने रिजेक्ट की थी जैकी की ब्लॉकबस्टर फिल्म

यहां जिस फिल्म की बात हो रही है उसका नाम है 'हीरो'. 'हीरो' ने रातोंरात जैकी की किस्मत का सितारा चमका दिया था. उन्होंने 'भगवान दादा' (1982) में छोटी सी भूमिका से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था.

लेकिन, बतौर लीड एक्टर 'हीरो' से उनके करियर का आगाज हुआ था. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. पहले इसे संजय दत्त को ऑफर किया गया था. लेकिन, बताया जाता है कि संजय के हाथ से ये फिल्म उनकी ड्रग्स की लत की वजह से निकल गई थी.

1983 की तीसरी सबसे कमाऊ फिल्म बनी

संजय की ना के बाद पिक्चर के लिए जैकी श्रॉफ को कास्ट किया गया था. उनके अपोजिट फिल्म में मीनाक्षी शेषाद्रि नजर आई थीं.

मीनाक्षी भी इसके लिए फर्स्ट चॉइस नहीं थीं. उन्हें संजीता बिजलानी के इनकार के बाद 'हीरो' ऑफर हुई थी. इसका डायरेक्शन दिग्गज डायरेक्टर सुभाष घई ने किया था. फिल्म के साथ-साथ इसके गानों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया था. 'हीरो' को 1.78 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था. वहीं फिल्म ने दुनियाभर में 9 करोड़ रुपये की कमाई की थी. बाद में इसके तेलुगु और कन्नड़ में भी रीमेक बने थे. वहीं बॉलीवुड में भी इसका साल 2015 में रीमेक बनाया गया था.

बेबी बंप के साथ दिखीं

कटरीना कैफ

बिना कंफर्मेशन के लोग देने लगे बधाई

काफी वक्त से बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की खबर सामने आ रही है, लेकिन इस खबर को किसी ने ऑफिशियल पुष्टि नहीं की है. हालांकि, हाल ही में एक्ट्रेस की एक फोटो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वो बेबी बंप के साथ दिख रही हैं. एक्ट्रेस की इस फोटो के वायरल होने के

कटरीना की फोटो वायरल

बाद से लोग उन्हें बधाईयां दे रहे हैं. साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि वो किसी ऐड के लिए शूट करवा रही हैं, लेकिन वायरल हो रही इस फोटो में एक्ट्रेस का चेहरा साफ तौर पर नजर नहीं आ रहा है.

साल 2021 में कटरीना कैफ विकी कौशल के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं. इस साल जुलाई में बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ ने अपनी बेबी गर्ल का वेलकम किया था, हालांकि उसी दौरान कटरीना की भी प्रेग्नेंसी की झूठी अनाउंसमेंट काफी वायरल हो रही थी. हालांकि, अब सामने आ रही तस्वीर में साफ तौर पर एक्ट्रेस का बेबी बंप देखा जा सकता है. लेकिन, कपल की तरफ से इस मामले में कोई भी बयान सामने नहीं आया है.

ऑफिशियल पुष्टि नहीं हुई

इस खबर को और हवा तब मिली जब कुछ वक्त पहले कटरीना और विकी को साथ देखा गया था. उस दौरान एक्ट्रेस ने ओवरसाइज्ड शर्ट पहना हुआ था, जिस पर कमेंट करते हुए लोगों ने कहा था कि वो अपना बेबी बंप छिपा रही हैं. वायरल हो रही फोटो कटरीना की ही है, इसकी कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं हुई है, कुछ लोगों का ये भी मानना है कि ये फोटो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जनरेट की हुई हो सकती है.

लोग देने लगे शुभकामनाएं

लोगों के रिएक्शन की बात करें, तो एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, मेरे अंदर का 14 साल का फैन चीख रहा है, बधाई हो. एक और फैन ने कमेंट करते हुए लिखा, एक पल के लिए तो मुझे लगा कि ये प्रेग्नेंट करीना की याद दिला रहा है, लेकिन वाह बधाई हो.वहीं कुछ लोगों ने कपल को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें बेस्ट विशेज दी हैं. लेकिन, फिलहाल लोग कपल के ऑफिशियल अनाउंसमेंट का इंतजार कर रहे हैं.

बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान को मिला क्लैरिवेट रिसर्च एक्सीलेंस अवॉर्ड, कुलपति ने दी बधाई

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कृषि विज्ञान संस्थान को क्लैरिवेट इंडिया रिसर्च एक्सीलेंस साइटेशन अवॉर्ड 2025 मिला है। यह पुरस्कार संस्थान के अनुसंधान में अग्रणी योगदान के लिए दिया गया है।

वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. नवल किशोर दुबे को व्यक्तिगत श्रेणी में कृषि विज्ञान में रिसर्च एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किया गया है। कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. यू. पी. सिंह और प्रो. एन. के. दुबे ने 19 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में यह पुरस्कार प्राप्त किया। संस्थान को यह अवार्ड मिलने पर विश्व ?विद्यालय के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुवेर्दी ने बधाई दी है। कृषि क्षेत्र में बीएचयू के योगदान की सराहना करते हुए कुलपति प्रो.चतुवेर्दी ने कहा कि विश्वविद्यालय ने वर्षों से कृषि विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमारा कृषि विज्ञान संस्थान शिक्षण, और अनुसंधान गतिविधियों पर परिवर्तनकारी काम करता रहा है,

जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड एवं ओडिशा के कृषक समुदाय लाभन्वित हुए हैं। हमने गेहूं, धान, जौ और मसूर सहित कई उच्च उपज देने वाली फसल किस्मों को विकसित किया है, साथ ही तीन लोकप्रिय ग्लैडियोलस की किस्में भी विकसित की गई हैं। कुलपति ने कहा कि हमारी विकसित उल्लेखनीय धान की किस्मों में एचयूआर 917 और मालवीय मनीला सिंचित धान-1, जबकि गेहूं और मूंग की किस्मों में एचयूडब्ल्यू 234 और मालवीय जनकल्याणी विशेष रूप से सराही जाती हैं। विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि यह पुरस्कार क्लैरिवेट के इंस्टीट्यूट फॉर साइंटिफिक इंफॉर्मेशन के विशेषज्ञ पैनल द्वारा चयनित किया गया, जिसमें 2019 से 2024 की अवधि के दौरान वेब ऑफ साइंस कोर कलेक्शन और इनसाइट्स बेंचमार्किंग एण्ड एनालिटिक्स के आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित शोधपत्रों की साइटेशन संख्या जैसे मात्रात्मक बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण और गुणात्मक समीक्षा को शामिल किया गया। यह सम्मान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा कृषि विज्ञान के क्षेत्र में किए गए उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रभावशाली प्रकाशनों को पहचान देता है तथा संस्थान को भारत में आगे बढ़ाने वाले प्रमुख संस्थानों में स्थान प्रदान करता है।

वाराणसी: पितृ पक्ष के अन्तिम दिन अमावस्या पर पूर्वजों का श्राद्ध पिंडदान,दी गई विदाई

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पितृ पक्ष के अन्तिम दिन आश्विन अमावस्या (पितृ विसर्जन)पर रविवार को लोगों ने पूरी श्रद्धा के साथ अपने पूर्वजों का श्राद्ध पिंडदान किया। लोगों ने अपने पितरों को विदाई देकर उनसे घर परिवार में सुख शांति का आर्शिवाद मांगा। अमावस्या पर गंगा नदी के सभी घाटों पर पिंडदान करने वालों की भीड़ भोर से ही उमड़ती रही। सिंधिया घाट, दशाश्वमेध घाट, मीरघाट, अस्सी घाट, शिवाला घाट, राजाघाट,पंचगंगा पर लोगों की सर्वाधिक भीड़ रही। पिशाचमोचन स्थित कुंड पर भी लोगों की भीड़ पिंडदान के लिए उमड़ती रही। श्रद्धा भाव के साथ मुंडन कराकर गंगा स्नान के बाद लोगों ने तर्पण और पिंडदान किया। जिनके परिजनों की अकाल मृत्यु हुई थी। उन्होंने ऐसे परिजनों और पूर्वजों के निमित्त पिशाच मोचन पर पिंडदान, तेल और घोड़ा दान किया। यह क्रम पूरे दिन चलता रहेगा। पितृ अमावस्या पर अपने ज्ञात अज्ञात पितरों का पिंडदान और श्राद्ध के दौरान लोगों ने अपने कुल, गोत्र का उल्लेख कर हाथ में गंगा जल लेकर संकल्प लिया और पूर्वाभिमुख होकर कुश, चावल, जौ, तुलसी के पत्ते और सफेद पुष्प को श्राद्धकर्म में शामिल किया। इसके बाद तिल मिश्रित जल की तीन अंजुली जल तर्पण में अर्पित किया। इस दौरान तर्पण आदि में हुई त्रुटि, किसी पितर को तिलांजलि देने में हुई चूक के लिए क्षमा याचना भी की। अपने पितरों से सुखद, सफल जीवन के लिए आशीर्वाद भी मांगा। पिंडदान के बाद गाय, कुत्ता, कौवा को पितरों के प्रिय व्यंजन का भोग लगा कर खिलाया। अपने पूर्वजों को पिंडदान तर्पण करने के बाद लोग घर पहुंचे। घर में बने विविध प्रकार के व्यंजनों को निकाल पितरों को चढ़ाकर ब्राम्हणों को खिलाने के बाद खुद प्रसाद ग्रहण किया। अमावस्या पर लोग सायंकाल घर के मुख्य द्वार पर दीप जला कर बांस की कइन में पितरों के लिए अनाज की छोटी.छोटी पोटली बांध कर उनसे अपने लोक लौट जाने का अनुरोध करेंगे।

गौरतलब हो कि सनातन धर्म में माना जाता है कि पितृ पक्ष में पूर्वज पंद्रह दिनों तक अपने वंशजों के घरों के आसपास मौजूद रहते है। अपने वंशजों से सेवा भाव के साथ श्राद्धकर्म कराने के बाद अमावस्या तिथि पर अपने लोक को वापस लौट जाते है।

पिंडदान करने गया वृद्ध गंगा में नहाते समय डूबा, तलाश जारी

मीरजापुर। चुनार कोतवाली क्षेत्र के ईश्वरपट्टी घाट पर रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। पैगापुर निवासी 55 वर्षीय सोमारु बिंद पुत्र स्व. बंधु लाल बिंद पिंडदान करने घाट पर पहुंचे थे। सुबह लगभग 7:30 बजे गंगा स्नान के दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अदलपुरा कुमार संतोष मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत गोताखोरों की मदद से वृद्ध की तलाश शुरू करवाई। फिलहाल गोताखोरों की टीम गंगा में उनकी खोजबीन कर रही है।

इस संबंध में चौकी प्रभारी कुमार संतोष ने बताया कि पैगापुर निवासी वृद्ध स्नान करते समय गहरे पानी में चले गए थे। गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश जारी है। स्थानीय लोगों से भी अपील है कि स्नान के दौरान सावधानी बरतें और निर्धारित स्थान से ही गंगा में उतरें।

'कमला राइजिंग स्टार्स 2.0 पुरस्कार' का किया आयोजन

दिव्य दिल्ली : नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 75वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री संग्रहालय में भव्य 'कमला राइजिंग स्टार्स 2.0 पुरस्कार' का आयोजन किया गया। कमला अंकीबाई घमंडीराम गोवानी ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 42 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सामाजिक परिवर्तन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस वर्ष की थीम ध्रुव तारा ने अटूट मार्गदर्शन, नैतिक स्पष्टता और उद्देश्यपूर्ण दिशा का सार प्रस्तुत किया। शिक्षा, पत्रकारिता, समाज सेवा, खेल, उद्यमिता, कला, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों से आए विजेताओं को समाज में सार्थक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य

अतिथियों में केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, उत्तर प्रदेश कैबिनेट मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. निरंजन कुमार, और वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री सज्जन यादव शामिल थे। ट्रस्टी श्रीमती निदर्शना गोवानी ने कहा कि ये पुरस्कार केवल सम्मान नहीं हैं, बल्कि समाज के आदर्शों, लचीलेपन और सेवा की भावना के प्रति श्रद्धांजलि हैं। सभी 42 पुरस्कार विजेताओं को उनकी साहसिक दृष्टि, अटूट दृढ़ता और परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का समापन इस सत्य के साथ हुआ कि राष्ट्र निर्माण केवल संस्थाओं का दायित्व नहीं है, बल्कि व्यक्तियों द्वारा भी संचालित होता है जो साहसपूर्वक नेतृत्व करते हैं, विनम्रता से सेवा करते हैं और उद्देश्यपूर्ण नवाचार करते हैं। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, मीडिया, शिक्षा जगत और नागरिक समाज के सदस्यों की उपस्थिति ने इस अवसर को और गंभीरता प्रदान की।

सामूहिक पठन और संवाद से होता है ज्ञान का सृजन: कुलपति

कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद के कल्याणपुर इलाके में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) सेवा पखवाड़ा 17झ22 सितम्बर के तहत ह्यपढ़े विश्वविद्यालय-बढ़े विश्वविद्यालयह्ल कार्यक्रम का आयोजन 20 सितम्बर को किया गया। यह आयोजन जी.एस.वी. केंद्रीय पुस्तकालय के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सभी विभागों में एक साथ संपन्न हुआ है। यह जानकारी शनिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने दी। कुलपति प्रो. विनय पाठक ने बताया कि इस पहल का

उद्देश्य विद्यार्थियों में सामूहिक हिन्दी पठन-पाठन की संस्कृति को प्रोत्साहित करना, ज्ञान के प्रति रुचि जागृत करना, और संवाद कौशल एवं आत्मविश्वास को विकसित करना था। विश्वविद्यालय के सभी संकायों एवं विभागों जैसे मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार, शिक्षा, विधि, सामाजिक कार्य, प्रबंधन, कंप्यूटर अनुप्रयोग, पर्यावरण अध्ययन आदि–में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पठन सत्रों के दौरान छात्रों ने विभिन्न रचनात्मक आकृतियों में भागीदारी की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल साहित्यिक अभिरुचि का प्रदर्शन किया, बल्कि सामूहिक अध्ययन की शक्ति को भी अनुभव किया। यह आयोजन विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत को सुदृढ़ करने, विचारशीलता को बढ़ावा देने, और ज्ञान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने इस अवसर पर कहा, ज्ञान का सृजन केवल पुस्तकों से नहीं, बल्कि सामूहिक पठन और संवाद से होता है।

प्रभावी पैरवी से हत्या के दो आरोपितों को हुई सश्रम आजीवन कारावास की सजा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित शंकरगढ़ थाने की पुलिस टीम की प्रभावी पैरवी की वजह से जनपद न्यायालय के विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कक्ष संख्या-03 ने शनिवार को हत्या मामले के दो आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने दी।

उन्होंने बताया कि शंकरगढ़ थाने में 23 सितम्बर वर्ष 2023 को चित्रकूट जिले के बरगढ़ थाना क्षेत्र के छेरेहरा गांव निवासी सुखदेव पुत्र इन्द्रलाल और मध्य प्रदेश के रीवा जनपद के पनवार थाना क्षेत्र में स्थित शिवपुर गांव निवासी संजय उर्फ रत्नेश वर्मा पुत्र उमाशंकर वर्मा के खिलाफ हत्या का मुकदमा धारा 302,201,34,364ए भारतीय दण्ड विधान के तहत दर्ज किया गया था। योगी सरकार के निर्देश पर शुरू किए गए आपरेशन कन्वेंशन अभियान के तहत शंकरगढ़ थाने की पुलिस टीम पैरवी करने में जुटी हुई थी।

इस मामले में पुलिस टीम ने दोनों आरोपी के खिलाफ 8 दिसम्बर 2023 को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। अभियोजन विभाग से समन्वय स्थापित करके समयबद्ध रूप से साक्षियों का साक्ष्य कराकर प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप 20 सितम्बर को दोषी करार दिए गए। न्धायायालय ने 302 में प्रत्येक को सश्रम आजीवन कारावास व 10-10 हजार रुपये के अर्थदण्ड, धारा 364ए भादवि में प्रत्येक को सश्रम आजीवन कारावास व 14-14 हजार रुपये के अर्थदण्ड व धारा 201 एवं 34 भादवि में प्रत्येक को 3-3 वर्ष के कारावास व 3-0 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया ।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में उपरोक्त दोनों हत्यारोपितों ने फिरौती की मांग को लेकर एक युवक की हत्या कर दी गयी थी ।

गुंडों पर प्रशासन का डंडा, दो जिला बदर, चार पाबंद, कालाबाजारी पर कसी लगाम

बरेली । अपराध और कालाबाजारी पर नकेल कसते हुए प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह ने शनिवार को गुंडा एक्ट के तहत दो शातिर अपराधियों को तीन माह के लिए जिला बदर कर दिया, जबकि चार अन्य को पाबंद किया गया।

हाफिजगंज क्षेत्र के शिवम पंडित और दिनेश को जिले की सीमा से बाहर किया गया है। शिवम पर हत्या के प्रयास समेत पांच और दिनेश पर नौ मुकदमे दर्ज हैं। बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए दोनों को जिला बदर किया गया। वहीं नवाबगंज के सत्यपाल, क्योलड़िया के हरेंद्र यादव उर्फ हरनन्दन, फतेहगंज पूर्वी के मोहनलाल और हाफिजगंज के गौरव गंगवार को व्यक्तिगत बंधपत्र पर पाबंद किया गया। थानाध्यक्षों को इनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश मिले हैं।

कालाबाजारी पर भी प्रशासन ने शिकंजा कसा। सदर तहसील के चन्द्रपुर काजियान गांव में छापे के दौरान 36 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त हुए। जौहरपुर पश्चिमी में उचित दर विक्रेता अजीम मियां की दुकान से कालाबाजारी का खाद्यान्न बरामद हुआ। नवाबगंज की गरगइया ग्राम पंचायत में एसएच जनसेवा केंद्र संचालक मो. आसिफ के पास से 13 गैस सिलेंडर मिले। सभी सामान जब्त कर राज्य सरकार के पक्ष में कर दिया गया। कार्रवाई से गुंडों और कालाबाजारी करने वालों में हड़कंप मच गया, जबकि आम लोगों ने इसकी सराहना की।

देहरादून प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले मुरादाबाद के नौ लोगों के परिजनों से मिले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

मुरादाबाद। उत्तराखंड के देहरादून में चार दिन पूर्व आई प्राकृतिक आपदा के दौरान मुरादाबाद के थाना बिलारी कोतवाली के गांव मुडिया जैन के नौ लोगों की जान चली गई। शनिवार को परिवार से मिलने के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया कि सरकार से मिलने वाली हर मदद परिवारों को दिलाई जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने देहरादून त्रासदी को दर्दनाक बताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पीड़ित परिजनों के घर जाकर उनके हाल-चाल पूछा कहा कि आज हम सभी पार्टी के लोग पीड़ित परिवार से मिलने के लिए आए हैं और आपके परिवार के प्रति संवेदना है। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने भी इस विषय को गंभीरता से लेते हुए शासन प्रशासन को आदेश दिए हैं कि सरकार की जो भी योजनाओं का लाभ हो वह पीड़ित परिवारों को मिले।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के चुनाव में मिली जीत को लेकर एबीवीपी ने मनाया जश्न

उरई। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को मिली बड़ी जीत का जश्न शनिवार को जालौन जिले के मुख्यालय उरई में भी देखने को मिला। परिणाम घोषित होने के बाद कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया।

बता दें कि उरई नगर के नगर पालिका परिषद के पास स्थित एबीपवीपी कार्यालय पर भारी संख्या में कार्यकर्ता जुटे। यहां सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। कार्यकताओं ने पूरे उत्साह के साथ नारेबाजी करते हुए संगठन की ताकत और राष्ट्रवादी विचारधारा पर

शारदीय नवरात्र की देवी मंदिरों में पूरी तैयारी, सोमवार से शुरू होगा 10 दिवसीय पर्व

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी)में शारदीय नवरात्र की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। पितृ पक्ष की समाप्ति के साथ ही देवी उपासना का महापर्व सोमवार से आरंभ हो रहा है। देवी मंदिरों में रंग-रोगन, साफ-सफाई और सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग का कार्य पूर्ण हो गया है। बाजारों में रविवार को पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे नवरात्र की आहट स्पष्ट महसूस की जा रही है। इस बार शारदीय नवरात्र पूरे दस दिनों तक मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित रविंद्र तिवारी के अनुसार, पंचांग की गणना के आधार पर इस बार कोई भी तिथि क्षय नहीं हो रही है, इसलिए पर्व की अवधि दस दिन की होगी। इस बार नवरात्र के दिनों में अंतर का मुख्य कारण हिंदू पंचांग पर आधारित है। पंचांग में तिथि की गणना सूर्योदय और सूर्यास्त के आधार पर की जाती है। कभी-कभी एक ही दिन में

दो तिथियां पड़ जाती हैं या कोई तिथि पूरे दिन नहीं रहती। खास बात यह है कि इस बार नवरात्र की शुरूआत सोमवार को हो रही है, जिससे देवी का आगमन गज (हाथी) पर हो रहा है। देवी पुराण के अनुसार, शशि सूर्य गजरूढ़ा शनिभौमे तुरंगमे – यानी यदि नवरात्र रविवार या सोमवार को शुरू हो तो देवी गजराज पर सवार होकर पधारती हैं। यह योग देश और समाज के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि गज पर आगमन से वर्षा समुचित होती है, कृषि समृद्ध होती है और समाज में स्थिरता आती है।

–काशी में मां शैलपुत्री का दरबार सजेगा पहले दिन

नवरात्र के पहले दिन देवी के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा का विधान है। वाराणसी के अलईपुर स्थित वरुणा नदी के तट पर स्थित मां शैलपुत्री मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटेगी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321